सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 233 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 14 दिसम्बर, 2023
मूल्य ₹ 3/-

हम सभी पर्वत के शिखर पर जीना चाहते हैं लेकिन सारी खुशियां तब घटित होती हैं जब हम पहाड़ चढ़ रहे होते हैं।
-ब्रह्माकुमारी शिवानी

टी-20 रेटिंग: रिंकू ने लगाई लंबी... 7 | 2024 में उत्तर और दक्षिण की होगी... 3 | भाजपा सरकार में पिछड़ गया... 2

संसद सुरक्षा चूक : सदन में जोरदार हंगामा

बीजेपी सांसद प्रताप सिम्हा के खिलाफ कार्रवाई की मांग

गृह मंत्री के बयान पर अड़ा विपक्ष, मोदी सरकार के खिलाफ नारेबाजी

» संसद की कार्यवाही स्थगित, सरकार ने कहा पूरी जांच की जाएगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बुधवार को संसद में घुसे दो लोगों द्वारा धुंआ करके पूरे देश को दहशत में डालने वाली घटना के बाद सियासी बवाल मच गया है। जहां पूरे विपक्ष ने संसद के अंदर मोदी सरकार को घेरते हुए जोरदार हंगामा किया है। वहीं उप नेता सदन राजनाथ सिंह ने कहा है कि सांसद पास जारी करने से पहले पूरी जानकारी कर लिया करें। घटना पर संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी ने लोक सभा में सरकार का पक्ष रखा।

उधर लोकसभा चेयर के करीब आकर हंगामा करने के चलते टीएमसी सांसद को पूरे सत्र से निलंबित कर दिया गया। पकड़े गए सारे आरोपियों को पुलिस आज कोर्ट में पेश करेगी। संसद के शीतकालीन सत्र का 11वां दिन है। सुरक्षा में चूक होने के बाद काफी हंगामा हुआ था। हंगामें को देखते हुए लोकसभा की कार्यवाही दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है। राज्यसभा की भी कार्यवाही कल तक स्थगित की गई। सभी ने इस घटना की निंदा की है। स्पीकर ने इस मामले का संज्ञान लिया है।

यूएपीए के तहत आरोपी गिरफ्तार हुए

दिल्ली पुलिस ने आईपीसी की धारा 186, 353, 120बी, 34 और 16 यूएपीए एक्ट के तहत आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये आरोपी करीब 9 महीने पहली इसी साल मार्च में चंडीगढ़ एयरपोर्ट के पास किसानों के प्रोटेस्ट में भी मिले थे। किसानों ने अपने मुद्दों को लेकर एयरपोर्ट का रोड ब्लॉक किया हुआ था। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल सूत्रों के मुताबिक पटियाला हाउस कोर्ट में आरोपियों को 2 बजे पेश किया जा सकता है।

ब्रायन पूरे सत्र के लिए राज्यसभा से सस्पेंड

संसद की सुरक्षा में हुई चूक को लेकर आज लोकसभा और राज्यसभा सत्र के दौरान विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। दोनों सदनों में विपक्ष सुरक्षा में चूक को लेकर लगातार सरकार पर हमलावर था। इस दौरान डेरेक ओब्रायन ने भी जमकर हंगामा किया। जिसके बाद टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन को पूरे सत्र के लिए राज्यसभा से सस्पेंड कर दिया गया, लोकसभा में कल दोपहर बड़ी सुरक्षा चूक को लेकर हुए तनाव के बीच संसद फिर से शुरू होने पर गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक

ओ ब्रायन को सदन के खिलाफ आचरण के लिए राज्यसभा से निलंबित कर दिया गया। डेरेक ओब्रायन ने उस घटना पर चर्चा की मांग की थी, जिसमें दो व्यक्ति दर्शक दीर्घा से लोकसभा में कूद गए और पीले धुएं का धुआं उड़ाने लगे, राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने टीएमसी सांसद का नाम लेते हुए उन्हें तुरंत सदन छोड़ने का निर्देश दिया। जगदीप धनखड़ ने सदन के खिलाफ आचरण के लिए टीएमसी नेता डेरेक ओब्रायन को बाहर जाने के लिए कहा कि धनखड़ ने कहा डेरेक ओ%ब्रायन को तुरंत सदन छोड़ने के लिए नामित किया गया है, डेरेक ओ ब्रायन का कहना है कि वह सभापति की अवहेलना करेंगे, वह नियमों का सम्मान नहीं करेंगे, यह एक गंभीर कदाचार और शर्मनाक घटना है।

मोदी मतलब मुश्किल : अधीर

कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने 13 दिसंबर को संसद सुरक्षा उल्लंघन की घटना पर कहा, कल की घटना पूरे देश ने देखी...हर दिन देश की सुरक्षा, शक्ति और विकास की बातें होती हैं...लेकिन अंदर ही अंदर सुरक्षा खोखली है। क्या इससे प्रधानमंत्री को कोई सरोकार नहीं है?...लोग कहेंगे मोदी मतलब मुश्किल है। कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने कहा कि यह एक बहुत ही गंभीर मुद्दा है। उन्होंने कहा कि गैस जलरोली भी हो सकती थी। सुरक्षा व्यवस्था में चूक के मामले को लेकर भाजपा सांसद गोपाल शेट्टी ने कहा कि सुरक्षा में किसी तरह की चूक हुई या फिर और अधिक स्तर की सुरक्षा की जरूरत है, इस मुद्दों पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है।

विजिटर्स पर लगी रोक, लगेगा बॉडी स्कैनर

संसद भवन परिसर में प्रवेश के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल में बदलाव किए गए हैं। नए बदलाव के अनुसार विजिटर का प्रवेश निलंबित कर दिया गया है। मुख्य द्वार का उपयोग अब केवल सांसद ही करेंगे, मीडिया और स्टाफ सदस्य एक अलग गेट का उपयोग करेंगे। जब विजिटर के पास फिर से शुरू हो जाएंगे, तो वे एक अलग गेट का भी उपयोग करेंगे। वर्तमान में, जांच के चार स्तर हैं - रिसेप्शन से लेकर विजिटर गैलरी तक और इनमें पैट-डाउन और मेटल डिटेक्टर शामिल हैं। अब हवाईअड्डों की तरह यहां भी बॉडी स्कैनर लगाने की तैयारी है। बुधवार की तरह घुसपैठ को रोकने के लिए दर्शक दीर्घा में कांच का आवरण भी होगा।

शाही ईदगाह मस्जिद का सर्वे करने का आदेश

» इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दिया फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। श्रीकृष्ण जन्मभूमि-ईदगाह प्रकरण में इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने सर्वे करने की मंजूरी दे दी है। हिंदू पक्ष की याचिका को कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। इससे पहले हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन ने पक्षों को सुनने के बाद 16 नवंबर को आदेश सुरक्षित रख लिया था। जन्मभूमि-ईदगाह प्रकरण में हाईकोर्ट ने 16 नवंबर को हुई सुनवाई के बाद सभी 18 केसों से संबंधित वादकारी और प्रतिवादियों को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहने का आदेश दिया था।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया था कि

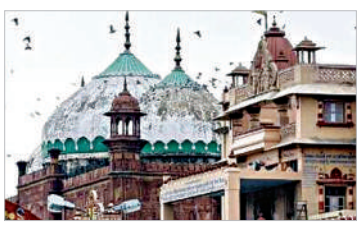

सेशन कोर्ट में दाखिल 18 वादों की फाइलों को हाईकोर्ट ने अपने अधीन सुनवाई के लिए ले रखा है। उन्होंने आरोप लगाया था कि ईदगाह पक्ष जन्मभूमि की स्थापत्य कला के साथ खिलवाड़ कर सबूतों को नष्ट कर रहा है। इससे पहले ही साक्ष्य नष्ट कर दिए जाएं, हाईकोर्ट से मांग की जाएगी कि ज्ञानवापी की तर्ज पर जन्मभूमि का भी सर्वे कराने का आदेश देने की कोर्ट से अपील की जाएगी।

अफजाल अंसारी को मिली 'सुप्रीम' राहत

» कोर्ट ने संसद सदस्यता बहाल की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बीएसपी के पूर्व सांसद अफजाल अंसारी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने अफजाल अंसारी की संसद सदस्यता को बहाल कर दिया है। दरअसल अफजाल अंसारी पर गैंगस्टर एक्ट के तहत दोषसिद्धि पर अंतरिम रोक लगा दी गई है। यह फैसला जस्टिस सूर्यकांत की बेंच ने दिया। अदालत ने कहा कि हाईकोर्ट 30 जून 2024 तक अफजाल मामले की सुनवाई पूरी कर फैसला दे। उन्होंने कहा कि गाजीपुर लोकसभा सीट पर उप चुनाव नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि एमपी लैंड स्कीम के पैसे का इस्तेमाल हो सकेगा और अफजाल संसद की कार्रवाई में हिस्सा ले सकते है। बता दें कि बीएसपी सांसद अफजाल अंसारी माफिया मुख्तार अंसारी के भाई हैं। अपनी याचिका में अफजाल अंसारी ने 2007 के गैंगस्टर एक्ट मामले में अपनी दोषसिद्धि को निलंबित करने की मांग सुप्रीम कोर्ट से की थी। अफजाल ने राहुल गांधी के मामले का हवाला देकर अपनी दोषसिद्धि पर रोक लगाने की मांग अदालत से की थी। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान पूर्व सांसद अफजाल अंसारी की तरफ से पेश वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा था कि अदालत को मामले के हर पहलू को देखना चाहिए, क्योंकि अगर उनकी दोषसिद्धि को निलंबित नहीं किया गया तो उनका गाजीपुर निर्वाचन क्षेत्र लोकसभा में प्रतिनिधित्वहीन हो जाएगा।

भाजपा सरकार में पिछड़ गया यूपी : अखिलेश

» बोले : बिगड़ती कानून व्यवस्था की वजह से उद्योगपति नहीं करना चाहते हैं निवेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 2024 लोक सभा चुनाव में जीत के लिए कड़ी मेहनत कर रहे सपा मुखिया जहां पार्टी के कार्यकर्ताओं को प्रेरित करने में जुटे है वहीं वह बीजपी की मोदी व योगी सरकार के कारस्तानियों पर भी हमला करने में चूकते नहीं हैं। इसकी क्रम में सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में विकास के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश लगातार पिछड़ता जा रहा है।

सरकार के पास न तो प्रदेश की प्रगति का कोई दृष्टिकोण है और न ही इच्छाशक्ति है। सात वर्षों से लगातार सत्ता में रहने के बावजूद भाजपा सरकार ने अब तक जनहित में एक भी काम नहीं किया है। सिर्फ समाजवादी सरकार के कामों को ही अपना बता कर वाहवाही लेने की कोशिश कर रही है। अखिलेश ने जारी बयान में कहा कि उत्तर प्रदेश के विकास के लिए निवेशक सम्मेलन की नींव सपा सरकार में रखी गई थी। तब निवेश के तमाम एमओयू को जमीन पर भी उतारा गया। लखनऊ के चकगंजरिया में आईटी हब बना। एचसीएल कंपनी के साथ अन्य आईटी कम्पनियां भी यहां काम कर रही है। अमूल दूध का प्लांट लगा। नौजवानों को तमाम नौकरियां मिलीं। अनेक फिल्म निर्माता प्रदेश में आए थे।

प्रोजेक्ट स्थापित करने के लिए भूमि नहीं दे पा रही सरकार

प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ती जा रही है, जो उद्योगपति आना चाहते थे, वे भी नहीं आ रहे हैं। पता चला है अब सरकार उन्हें ढूंढ रही है। भाजपा सरकार ने दावा किया कि प्रदेश में 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश के प्रस्ताव मिले, लेकिन अभी तक कहीं एक भी उद्योग नहीं लगा। उद्यमियों को भाजपा सरकार प्रोजेक्ट स्थापित करने के लिए भूमि नहीं दे पा रही है। विभिन्न विभाग एनओसी देने में खूब परेशान कर रहे हैं। भाजपा सरकार अपने बजट का 60 प्रतिशत पैसा भी खर्च नहीं कर पाई है।

विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ सीएम पद की ली शपथ

» विजय शर्मा, अरुण साव बने डिप्टी सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विष्णुदेव साय ने रायपुर में आयोजित भव्य शपथ ग्रहण समारोह में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। उनके साथ ही भाजपा विधायक अरुण साव और विजय शर्मा ने छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित कई आला नेता मौजूद रहे।

राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने साइंस कॉलेज मैदान में एक शपथ ग्रहण समारोह के दौरान साय और दोनों उपमुख्यमंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। भाजपा ने हाल ही में जीते गए तीन प्रमुख राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्रियों के नामों की घोषणा कर दी है। इस दौरान पार्टी ने जातीय समीकरणों को साधने की कोशिश की है, हालांकि तीनों ही राज्यों में मुख्यमंत्री के नामों ने हर किसी को चौंका दिया है, छत्तीसगढ़ में भाजपा ने एक आदिवासी नेता को मुख्यमंत्री बनाया है तो उपमुख्यमंत्री के रूप में एक ओबीसी और एक ब्राह्मण नेता को चुना है।

संक्षिप्त खबरें

एप के जरिये कार्यकर्ता तैयार करेगी भाजपा

लखनऊ (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा नमो एप के जरिये कार्यकर्ताओं की नई फौज तैयार करेगी। पार्टी ने विकसित भारत संकल्प अभियान के जरिये नए मतदाताओं से लेकर मोदी-योगी सरकार की योजना के प्रत्येक लाभार्थी को विकसित भारत एम्बेसडर बनाने की तैयारी शुरू की है। 98 संगठनात्मक जिलों को दो-दो लाख विकसित भारत एम्बेसडर बनाने का लक्ष्य दिया गया है। गोमती नगर स्थित एक स्कूल के सभागार में बुधवार को नमो एप को लेकर आयोजित कार्यशाला में एप के जरिये लोकसभा चुनाव की तैयारियां पर मंथन हुआ।कार्यशाला में 98 संगठनात्मक जिलों के जिलाध्यक्ष, जिला प्रभारी व विभिन्न अभियानों के संयोजक समेत करीब सात सौ पदाधिकारी शामिल हुए। इसमें नमो एप का प्रस्तुतीकरण हुआ।

पकड़े जाने के बाद नीलम बोली- हम बेरोजगार हैं

नई दिल्ली (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। दिल्ली पुलिस ने संसद के बाहर हंगामा करने वाले अनमोल शिंदे व युवती नीलम को तुरंत हिरासत में ले लिया था। पुलिस की पकड़ में आने से पहले दोनों आरोपियों ने जमकर हंगामा किया। नीलम उस वक्त भी नारेबाजी करती रही, जब दिल्ली पुलिस की महिलाकर्मी उसको हिरासत में लेकर संसद मार्ग थाने जा रही थी। सुरक्षा एजेंसियों के हत्थे चढ़ने का कोई खौफ उसके चेहरे पर नहीं दिख रहा था। नीलम का उस समय का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जब पुलिस ने उसे हिरासत में ले रखा था। नीलम बेरोजगारी से परेशान होने की बात कर रही है। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मूलरूप से जींद जिले के घसो कला की रहने वाली नीलम हिसार के रेड स्क्वायर मार्केट के पीछे स्थित पीजी में रहती है। वह पीजी में रहकर हरियाणा सिविल सर्विस की तैयारी कर रही है।

मरते दम तक छिंदवाड़ा की सेवा करता रहूंगा : कमलनाथ

छिंदवाड़ा (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनावों की खुमारी अभी ठीक से उतरी भी नहीं है कि दोनों दल लोकसभा चुनावों की तैयारी में लग गए हैं। प्रदेश के पूर्व सीएम कमलनाथ सौसर और पांढुर्णा पहुंचे, जहां उन्होंने कार्यकर्ताओं के बीच भावुकता के साथ एक नया बयान दिया। उन्होंने कहा कि आखरी सांस तक वे छिंदवाड़ा की जनता के साथ खड़े हैं। कमलनाथ ने कहा कि जिस तरह से प्यार और विश्वास उन्हें छिंदवाड़ा से मिला है, आगे भी ऐसे ही प्यार उन्हें मिलता रहेगा। दरअसल छिंदवाड़ा की सातों विधानसभा सीट में कमलनाथ और सांसद नकुलनाथ जनता का आभार व्यक्त करने के लिए पहुंच रहे हैं। सौसर और पांढुर्णा में दोनों ने जनसभा को संबोधित किया। वहीं पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान जहां हारी हुई सीटों पर पहुंच रहे हैं तो वहीं कमलनाथ अपने गढ़ छिंदवाड़ा में जीत के बाद जनता का आभार मानने पहुंच रहे हैं। नकुलनाथ जनता से लोकसभा के लिए भी आशीर्वाद मांगने लगे हैं। कमलनाथ ने सौसर में आयोजित धन्यवाद सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि 44 साल पहले मेरे राजनीतिक जीवन की शुरुआत सौसर से ही हुई थी।

'कांग्रेस पूरे प्रदेश में बढ़ाएगी जनाधार'

» हर जिले में यूपी जोड़ो यात्रा के लिए बनीं कमेटियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लोक सभा चुनाव में सफलता हासिल करने के लिए यूपी कांग्रेस ने कम कस ली है। कांग्रेस की यूपी जोड़ो यात्रा के लिए अलग-अलग कमेटियां बनाई गई हैं। इसमें पूरे प्रदेश के पदाधिकारियों को शामिल किया गया है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव (संगठन) अनिल यादव ने बताया कि यात्रा के लिए जिलेवार प्रभारी भी बनाए गए हैं। इसमें सहारनपुर के प्रभारी प्रदीप जैन आदित्य, मुजफ्फरनगर के अहमद हमीद कौकब, बिजनौर के इमरान मसूद, अमरोहा के प्रेम प्रकाश अग्रवाल, मुरादाबाद के संजय कपूर, रामपुर के हाजी इकराम कुरैशी, बरेली के राज कुमार रावत, शाहजहांपुर के जफर अली नकवी, लखीमपुर के राकेश राठौर, सीतापुर के रवि वर्मा और लखनऊ के इंदल राव को बनाया गया है।

इसी तरह समन्वय समिति में विधायक आराधना मिश्रा, प्रमोद तिवारी, डॉ. निर्मल खत्री, बृजलाल खाबरी, सलमान खुर्शीद, पीएल पुनिया, अजय कपूर, संजय कपूर सहित 26 लोगों को शामिल किया गया है। वहीं सभी जिलों के एक-एक प्रभारी, मीडिया टीम में डॉ. सीपी राय व अशोक सिंह सहित 18 प्रवक्ताओं को शामिल किया गया है।

अजय राय से मिले नैतिक पार्टी अध्यक्ष

कांग्रेस की 'यूपी जोड़ो यात्रा' को नैतिक पार्टी का समर्थन मिला है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्र भूषण पांडेय ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय से मुलाकात कर उन्हें समर्थन दिया। अब तय हुआ है कि 16 से खरमास लगने की वजह से 15 दिसंबर को काशी से सांकेतिक रूप में यात्रा शुरू कर दी जाएगी। सहारनपुर से यात्रा की शुरुआत 20 दिसंबर को होगी। यात्रा 10 जिलों का भ्रमण करते हुए सीतापुर पहुंचेगी।

सबरीमाला में कुप्रबंधन पर केरल सरकार पर भड़की बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। सबरीमाला में भगवान अयप्पा मंदिर में बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण स्थिति गंभीर होने के कारण पहाड़ी की चोटी पर स्थित मंदिर में भारी भीड़ उमड़ी, भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने सबरीमाला में सचिवालय के बाहर केरल सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

भाजपा नेता कुम्मनम राजशेखरन ने राज्य सरकार पर भीड़ के कुप्रबंधन का आरोप लगाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि उन्हें इतनी भीड़ की उम्मीद नहीं थी। तीर्थयात्री भोजन, पानी और बुनियादी जरूरतों के बिना पीड़ित हैं। सबरीमाला में पर्याप्त जगह है। सरकार नहीं जानती कि जगह का उपयोग कैसे किया जाए। आप तिरूपति मंदिर देखें, वहां सब कुछ ठीक है। मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि के कारण भक्तों ने अपनी चिंताएं व्यक्त की हैं।

क्या पीएम मोदी वाराणसी के नए कोतवाल हो गए हैं : मनोज झा

» नीतीश के यूपी दौरे पर राजद ने बीजेपी को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 24 दिसंबर को वाराणसी में रैली कर सकते हैं। उनके वाराणसी दौरे को लेकर अभी से सियासत तेज है। बीजेपी जहां इसे राजनीतिक स्टंट मान रही है तो वहीं आरजेडी सांसद मनोज झा ने पीएम मोदी पर ही निशाना साध दिया है।उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार अगर वाराणसी जा रहे हैं तो इसमें कौन-सा गुनाह हो गया।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी की मालिक हो गए हैं क्या..? जनप्रतिनिधि तो जनता का प्रतिनिधि होता है, अगली बार होंगे कि नहीं होंगे इसकी गारंटी नहीं

है। आरजेडी मनोज झा ने कहा कि नीतीश कुमार एक राज्य के मुख्यमंत्री हैं। वाराणसी तो एक आम नागरिक भी जा सकता है। ये (पीएम मोदी) क्या नए कोतवाल बन गए हैं क्या? सुशील मोदी ने कहा कि नीतीश कुमार फ्यूज्ड बल्ब हैं, जो टिमटिमा सकते हैं, लेकिन पूरी रोशनी नहीं दे सकते। जो अपने राज्य में, 44 सीटें ही जिता पाया... जो मध्य प्रदेश में सबसे खराब प्रदर्शन किए। इनके प्रत्याशियों को 100-200 वोट मिले। वो यूपी में जाकर अखिलेश यादव की बदौलत, कुर्मी का क्या वोट दिला पाएंगे। अगर अब इनता ही सोचा है तो मोदी जी के खिलाफ चुनाव लड़कर देख लें।

बस केवल लंबी-लंबी बात करेंगे नीतीश : सुशील

भाजपा नेता सुशील मोदी ने कहा, नीतीश कुमार केवल मीडिया में बने रहने के लिए लंबी-लंबी बात करते हैं। खुद बोलते है मैं प्रधानमंत्री पद का दावेदार नहीं हूं और अपने ही लोगों से बुलवाते हैं कि वो ही सबसे योग्य उम्मीदवार हैं। अब देखिए 18 या 19 को इंडी गठबंधन की जो बैठक होने वाली है, उसमें ये लोग काफी उम्मीद लगाए बैठे हैं कि उन्हें संयोजक बनाया जाए। अगर मान लीजिए संयोजक घोषित कर भी दें, तो भी कुछ बदलने वाला नहीं।

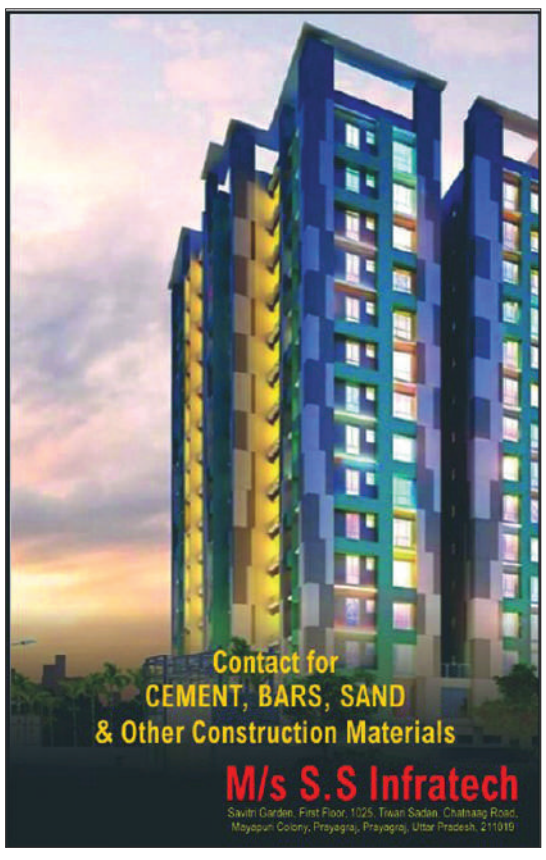

2024 में उत्तर और दक्षिण की होगी जंग?

पांच विस चुनावों बाद बदली सियासी तस्वीर

- भाजपा-कांग्रेस में खुलकर होगी लड़ाई
- अन्य विपक्षी दल भी बदलेंगे रणनीति
- दक्षिण के नेताओं ने की शुरुआत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पांच राज्यों में नई सरकारों ने काम काज शुरू कर दिया है अब देश के दोनो बड़े सियासी दल 2024 लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट गए हैं। साथ ही ये दल इस पर भी विचार करने में जुटे हैं कि वे जहां भी हारे है उसके क्या कारण हैं। अब चूकि हिंदी भाषी क्षेत्रों में बीजेपी का जनाधार बढ़ रहा है। और दक्षिण के दो महत्वपूर्ण राज्य कर्नाटक व तेलंगाना में कांग्रेस ने सरकार बनाई । इसी के साथ यह बहस सियासी गलियारें में जोर पकडंने लगी कि कांग्रेस दक्षिण की जबकि भाजपा उत्तर की पार्टी है। पर इन सब बातों की सच्चाई 2024 के चुनावों के बाद पता चल जाएगी। हालांकि लोकतंत्र में सीटों की बढ़त ही मायने रखती है पर जब पार्टियां विश्लेषण करेंगी कि उन्हें कितने प्रतिशत मत मिला है या खिसका है। तब ही पता चलेगा कि कौन सी पार्टी लाभ में या हानि में। अगर भारत के नक्शे को देखें तो भाजपा की ताकत का साफ तौर पर पता चल जाएगा।

भाजपा जहां मध्य और हिंदी हार्ट लैंड में पूरी ताकतवर है। तो वहीं, देश के पश्चिमी क्षेत्र यानी कि राजस्थान, गुजरात में भी उसकी पकड़ मजबूत है। महाराष्ट्र में 2019 में भाजपा को सफलता मिली थी लेकिन वहां वह गठबंधन में हैं। हाल में ही संपन्न पांच राज्यों के चुनावी नतीजों में भाजपा के जबरदस्त जीत हासिल हुई है। भाजपा ने इन पांच राज्यों में से तीन राज्यों में प्रचंड विजय हासिल की। भाजपा की जीत के बाद राजनीतिक दांव पेंच शुरू हो गए। इसके साथ ही उत्तर बनाम दक्षिण का भी मामला सामने आ गया। दरअसल, भाजपा ने जिन तीन राज्यों में जीत हासिल की, वह हैं मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान। इन्हें हिंदी बेल्ट का राज्य माना जाता है जो देश के उत्तर और मध्य क्षेत्र में आते हैं। हालांकि, तेलंगाना में भाजपा ने अपनी पूरी ताकत लगाई थी। बावजूद इसके उसे वहां ज्यादा सफलता नहीं मिली और कांग्रेस ने वहां जीत हासिल की।

दरअसल, सोशल मीडिया पर सबसे पहले इसकी चर्चा शुरू हुई। उसके बाद डीएम के सांसद सेंथिल कुमार ने संसद में कुछ ऐसा बयान दिया जिसके बाद से इस मुद्दे को हवा मिल गई। हालांकि, भाजपा की ओर से साफ तौर पर कहा गया कि विपक्षी भारत को विभाजित करने की कोशिश कर रहे हैं। इसके साथी राहुल गांधी के पुराने बयान के भी खूब चर्चा हुई जिसमें उन्होंने कहा था कि उत्तर भारत की तुलना में दक्षिण भारत के लोगों में राजनीतिक समझ ज्यादा है। भाजपा के नेता अर्जुन राम मेघवाल ने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के घटक दलों पर देश को उत्तर-दक्षिण के आधार पर बांटने की कोशिश करने का आरोप लगाया और कहा कि विपक्ष अपने प्रयासों में सफल नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन के दल भारत को उत्तर-दक्षिण के आधार पर विभाजित करने के अपने कथित प्रयासों में विफल रहेंगे।

दिखी भाजपा की ताकत

अगर भारत के मैप को देखें तो भाजपा की ताकत का साफ तौर पर पता चल जाएगा। भाजपा जहां मध्य और हिंदी हार्ट लैंड में पूरी ताकतवर है। तो वहीं, देश के पश्चिमी क्षेत्र यानी कि राजस्थान, गुजरात में भी उसकी पकड़ मजबूत है। महाराष्ट्र में 2019 में भाजपा को सफलता मिली थी लेकिन वहां वह गठबंधन में हैं। वहीं गोवा में उसकी सरकार है जो केंद्र की राजनीति के लिहाज से उतना महत्व नहीं रखता। पूरे दक्षिण भारत को देखें तो वह कहीं भी सत्ता में नहीं है जबकि पूर्वी तटीय क्षेत्र में भी वह हाशिए पर है जिसमें पश्चिम बंगाल, ओडिसा, आंध्र प्रदेश शामिल है। इन तीनों ही राज्यों में क्षेत्रीय दलों का शासन है जिन्होंने विधानसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। यह बात भी सही है कि इन राज्यों में भाजपा ने अपनी पकड़ को पहले के तुलना में कई ज्यादा गुना मजबूत किया है। 2024 में भाजपा को बंगाल और ओडिशा में उम्मीद से ज्यादा सीटें जीतने में कामयाबी मिली थी।

बीजेपी की बढ़ेंगी मुश्किलें

उत्तर भारत के राज्यों की बात करें तो बीजेपी के कुल 118 लोकसभा के सांसद हैं जबकि 35 राज्यसभा के सांसद हैं। वहीं दक्षिण भारत में 6 राज्य हैं। इन राज्यों में 130 लोकसभा की सीटें हैं। इन 130 सीटों में से भाजपा के पास 29 लोकसभा की सीटें हैं। वहीं राज्यसभा के 7 सांसद हैं। 2019 में जब भाजपा अपने दम पर 303 लोकसभा सीटें जीतने में कामयाब रही थी तब भी दक्षिण भारत के कई राज्यों में उसका खाता तक नहीं खुल सका था। कर्नाटक ही ऐसा राज्य था, जहां भाजपा ने 28 में से 25 सीटों पर जीत दर्ज की थी। वहीं, चार सीटें उसे तेलंगाना में जितने में कामयाबी हासिल हुई थी। हालांकि, कांग्रेस के लिए भी दक्षिण भारत कोई मजबूत किला नहीं है। दक्षिण भारत में उसके पास लोकसभा के 27 सीटें हैं। आंध्र प्रदेश में 25, केरल में 20, कर्नाटक में 28, तमिलनाडु में 39 और तेलंगाना में 17 लोकसभा की सीटें हैं। 2019 की बात करें तो 224 सीटों पर भाजपा ने 50 फीसदी से ज्यादा वोट हासिल किए थे और जबरदस्त तरीके से जीत हासिल की थी। इनमें से ज्यादातर सीटें उन राज्यों में थी जो कि भाजपा के गढ़ माने जाते हैं। वहीं, बाकी के 319 सीटों की बात करें तो उनमें से भाजपा केवल 79 सीटों पर ही जीत हासिल कर पाई थी। इसके बाद पार्टी का कुल आंकड़ा 303 हुआ था और यह बहुमत के जरूरी 272 से 31 ज्यादा हैं। भाजपा को जो 79 सीटें मिली थी उनमें महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, ओडिसा और तेलंगाना भी शामिल है जहां इंडिया गठबंधन की स्थिति मजबूत मानी जा सकती है। यही कारण है कि बीजेपी इन 79 सीटों पर जीत हासिल करने को लेकर पूरी तरीके से अपनी प्रतिबद्धता दिख रही है और इंडिया गठबंधन पर जबरदस्त तरीके से निशाना साथ रही है।

जातिगत जनगणना बनेगा मुद्दा

बिहार में भारतीय जनता पार्टी अपनी चाल बदलने जा रही है। प्रदेश में जाति की राजनीति का मुद्दा हमेशा से केंद्र में रहा है। परंतु भाजपा ने अब इससे किनारा करने का फैसला लिया है। उसका कहना है कि वह प्रदेश में अब जनहित के मुद्दों को धार देगी, जाति और जमात की बात नहीं करेगी। बता दें कि बीते 14 महीने से प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में जन सुराज पदयात्रा निकाल रहे प्रशांत किशोर भी इसे लेकर मुखर रहे हैं। वह अपनी सभाओं में जाति के नाम पर वोट नहीं देने की अपील करते रहे हैं। इधर, राज्य सरकार की ओर से कराए गए जाति आधारित सर्वे के आंकड़े जारी होने के बाद यह मुद्दा और भी तेजी से उठा था। नीतीश सरकार का कहना है कि वह जाति आधारित गणना के आधार पर अपनी योजनाएं बनाएगी, ताकि सही वर्ग तक उसका लाभ पहुंच सके। वहीं, दूसरी ओर विपक्षी दलों ने इसे लेकर नीतीश सरकार पर जमकर निशाना साधा था। इसके आंकड़ों में गड़बड़ी के आरोप भी लगाए गए हैं। अब एक बार फिर यह मुद्दा सियासी बयानबाजी के केंद्र में आ गया है।

भाजपा ने बिहार में कसी कमर

भाजपा की प्रदेश के कोर ग्रुप की बैठक में इसे लेकर चर्चा उस ढंग से नहीं हुई, जिसकी राज्य के नेताओं को आशा थी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 20 लोगों से ही मिले। इस थोड़े से समय में उन्होंने बिहार भाजपा के नेताओं को बड़ी बात समझा दी। यहां महज चार बिंदुओं पर चर्चा हुई। इसका सार बस इतना रहा कि किसी जाति-जमात का विरोध किए बिना भाजपा को पूर्व निर्धारित चुनावी रणनीति पर आगे बढ़ना है। बात मात्र जनहित की होगी और उसका सुफल तीन राज्यों (मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान) के चुनाव परिणाम की तरह बिहार में भी मिलेगा। शाह अपने इस भरोसे का आधार जनता के बीच विराधियों की विश्वसनीयता का कम होना और उनका आपसी मनमुटाव बताए हैं। शाह से मिलने वालों में प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी, विधानमंडल दल के नेता विजय सिन्हा, विधान परिषद में विपक्ष के नेता हरि सहनी, पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील मोदी, मिथिलेश तिवारी सहित चारों प्रदेश महामंत्री आदि रहे। जाति आधारित गणना हिंदी पट्टी के तीन राज्यों में कोई बड़ा मुद्दा नहीं बन पाई है। जनता को इसमें गड़बड़ी की आशंका दिखाई दी है। इसलिए परेशान होने की जरूरत नहीं मुसलमानों का वोट यदि नहीं भी मिलता है तो भी यादवों के कुछ वोट मिलने की आशा रखी जाए। वोटिंग पैटर्न में यादवों को मुसलमानों के समान नहीं मानना है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पहले की तरह जन-अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर रहे हैं। नेतृत्व को लेकर विपक्ष में अनबन की आशंका है। यह भाजपा के पक्ष में जाएगा। विधानसभा में महिला और मांझी पर नीतीश की टिप्पणी को सभी ने अप्रिय और मात्र एक दुर्योग माना। क्योंकि इससे पहले का नीतीश का इस तरह की आपत्तिजनक बयानबाजी का कोई रिकॉर्ड नहीं है। इस दौरान नीतीश के स्वास्थ्य को लेकर भी चिंता जताई गई। चुनावी तैयारी पहले की तरह जारी रहेगी और अपेक्षा के अनुरूप समय-समय पर उसमें बदलाव होता रहेगा। चुनावी जीत को कायम रखने की शाह ने भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लगातार तीसरी चुनावी जीत के लिए बिहार विजय को सबसे अहम बताया है। उन्होंने कठिन माने जाने वाले लोकसभा क्षेत्रों में ज्यादा प्रयास करने का निर्देश दिया है। यह भी समझाया है कि पिछली जीत में नीतीश कुमार राजग का हिस्सा थे। अब जीतन राम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा को साथ लेकर नीतीश की कमी को पूरा करने की कोशिश है। हालांकि, लोजपा के दो धड़ों (पशुपति कुमार पारस व चिराग) में सामंजस्य बड़ी चुनौती है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

फिर एकबार खुली संसद की सुरक्षा की पोल

“ ।। बुधवार को लोकसभा में दो शख्स उस वक्त घुस गए जिस समय शून्यकाल चल रहा था। ये लोग दर्शक दीर्घा की तरफ से दाखिल हुए थे, हालांकि, सदन के अंदर मौजूद सांसदों और सुरक्षाकर्मियों ने दोनों ही आरोपी को पकड़ लिया। संसद के बाहर भी कुछ लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। जिन्हें भी बाद में दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया है। फिलहाल इन सभी लोगों से पूछताछ की जा रही है।

बुधवार को नई संसद पर हुए घटनाक्रम ने सुरक्षा व्यवस्था की पोल खुल गई। सबसे बड़ी तो पुलिस की चूक है। ऐसा कहा जा रहा है इंटैलिजेंस रिपोर्ट में ये इनपुट थे कि 13 दिसबंर को संसद ऐसा कुछ हो सकता है। अगर ऐसा था तो प्रथम दृष्टया यह घोर लापरवाही है। वो तो धन्य हो उन सुरक्षा कर्मियों व सांसदो का जिन्होंने उन उपद्रवियों को धर दबोचा। वाकई यह सोचने वाली बात है अगर यही घटना बड़ी हो जाती तो आज कई लोगों की जान चली गई होती। दुख की बात यह भी है आज ही के दिन 2001 में संसद पर आतंकी हमला हुआ था। बुधवार को लोकसभा में दो शख्स उस वक्त घुस गए जिस समय शून्यकाल चल रहा था। ये लोग दर्शक दीर्घा की तरफ से दाखिल हुए थे, हालांकि, सदन के अंदर मौजूद सांसदों और सुरक्षाकर्मियों ने दोनों ही आरोपी को पकड़ लिया। संसद के बाहर भी कुछ लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। जिन्हें भी बाद में दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया है। फिलहाल इन सभी लोगों से पूछताछ की जा रही है। खास बात ये है कि संसद के अंदर सुरक्षा में चूक का यह दूसरा मामला है। वर्ष 2001 में भी सुरक्षा में चूक की वजह से कुछ आतंकी संसद भवन परिसर में घुस गए थे. हालांकि, उस दौरान संसद की सुरक्षा में तैनात सुरक्षाकर्मियों ने बहादुरी दिखाते हुए इन आर्तकियों को सदन के अंदर दाखिल होने से पहले ही ढेर कर दिया था।

बुधवार को हुई इस घटना को लेकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि इस घटना की जांच की जाएगी। उन्होंने सदन में कहा कि आप सभी सांसदों की सुरक्षा की जिम्मेदारी मेरी है। लिहाजा, ये पता चलना जरूरी है कि आखिर ये घटना किस वजह से हुई. और आने वाले भविष्य में ऐसी किसी भी घटना को होने से रोकने के लिए क्या कुछ किया जाना चाहिए। लोकसभा के अंदर कलर क्रैक र लेकर पहुंचे शख्स का नाम सागर शर्मा बताया जा रहा है। हालांकि यह अभी पता नहीं चल सका है कि सागर कहां का रहने वाला है और किस उद्देश्य उसने इस घटना को अंजाम दिया।संसद की सुरक्षा में चूक को लेकर बुधवार को दो मामले सामने आए हैं। एक मामले में सदन के बाहर दो लोगों ने तानाशाही नहीं चलेगी का नारा लगाते हुए प्रदर्शन शुरू किया। इनके प्रदर्शन शुरू करते ही पुलिस के जवानों ने हिरासत में ले लिया।इन दो प्रदर्शनकारियों में एक महिला भी थी। इनकी पहचान नीलम (42) निवासी जींद (हरियाणा) के रूप में हुई है। वहीं दूसरे प्रदर्शनकारी की पहचान अनमोल शिंदे (25) निवासी लातूर (महाराष्ट्र) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि संसद के बाहर तानाशाही नहीं चलेगी का नारा लगाने वाली नीलम जींद जिले के उचाना के एक गांव की है। बताया जा रहा है कि वह नक्सलवादियों से जुड़ी हुई है। उसके गांव में टीम रवाना कर दी गई है। हालांकि जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि ये चूक हे या साजिश।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

ज़ख्म सहलाती कांग्रेस के आत्ममंथन का वक्त

हेमंत पाल

तीन राज्यों में कांग्रेस की करारी हार के बाद पार्टी सदमे में है। पार्टी की सबसे बुरी हार मध्य प्रदेश में हुई, जहां उसकी सत्ता में वापसी को लेकर कोई शंका नहीं थी। ताजपोशी की पूरी तैयारी हो चुकी थी, कि अचानक भाजपा की सुनामी आ गई। जितनी सीटें भाजपा को मिलीं, वो अनपेक्षित-सा आंकड़ा है। कांग्रेस को परेशानी इसलिए है, कि उसे प्रतिद्वंद्वी की ऐसी जीत की उम्मीद कतई नहीं थी। उसे अनुमान था कि मुकाबला कांटाजोड़ जरूर है, पर कांग्रेस बाजी मारकर सरकार बनाने लायक बहुमत पा लेगी। लेकिन, जो हुआ उसने प्रदेश नेतृत्व को आत्ममंथन करने पर मजबूर कर दिया। अब हार के कारण तलाशने के लिए मंथन हो रहा है। देखा जाए तो इसका कोई मतलब नहीं रह गया, जो होना था वो हो चुका। अब आने वाले पांच साल तक भाजपा ही मध्य प्रदेश की सत्ता में रहेगी और कांग्रेस विपक्ष की भूमिका में!

कमलनाथ पिछले 6 साल से मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष हैं। पार्टी की तरफ से वे ही मुख्यमंत्री का चेहरा भी थे। लेकिन, चुनाव नतीजों ने भाजपा को अव्वल साबित कर दिया। उसे 163 सीटें मिलीं और कांग्रेस मात्र 66 सीट पर सिमटकर रह गई। इस चुनाव में भाजपा को पिछले चुनाव के मुकाबले 57 सीटों का फायदा हुआ। इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, रतलाम, सागर, दमोह और खंडवा जैसे शहरी क्षेत्रों में जिस तरह कांग्रेस की हार हुई, वो सबसे ज्यादा चिंता की बात है। इन शहरों में पार्टी का पूरी तरह सफाया हो गया। जहां तक हार के कारणों का सवाल है, तो कमलनाथ का सॉफ्ट हिंदुत्व का चुनावी प्रयोग पूरी तरह असफल रहा। कांग्रेस पर भाजपा ने हिंदू विरोधी होने का आरोप लगाया, जिसका जवाब देने के लिए कमलनाथ ने धार्मिक आयोजनों पर ध्यान दिया। हनुमान जयंती पर पार्टी दफ्तर में ही पूजा-पाठ करवाया गया। पार्टी में 'धार्मिक और उत्सव प्रकोष्ठ' के गठन के साथ धार्मिक कार्यक्रम करवाए गए। लेकिन, इससे हिंदुओं में पकड़ नहीं बनी, उल्टा मुस्लिम वोटर नाराज हो गए।

यदि कांग्रेस की हार के कारणों की चीरफाड़ की जाए, तो कई ऐसे कारण सामने आएंगे, जो भाजपा की जीत को सही साबित करते हैं। कांग्रेस की हार के कारणों में उम्रदराज कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की बड़ी भूमिका रही। कमलनाथ भले 6 साल से प्रदेश अध्यक्ष हों, पर वे जन नेता नहीं हैं। वे रणनीति

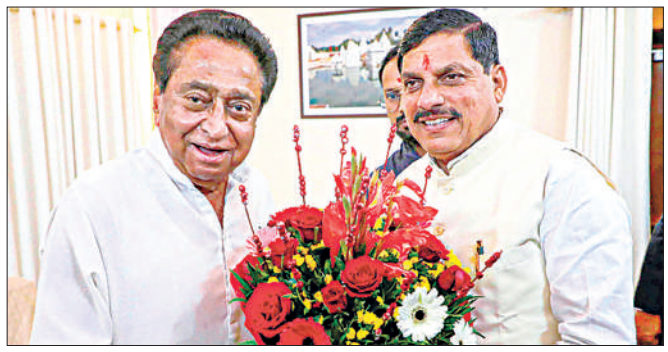

बना सकते हैं, पर उसे अमल कैसे किया जाए, ये वे नहीं जानते। उनमें एक कमजोरी संपर्क की भी है। पार्टी के कार्यकर्ता तो छोड़ विधायकों तक को उनसे मिलने से पहले कई औपचारिकताएं निभानी पड़ती हैं। यही कारण है कि उन्हें पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के बजाय कार्पोरेट कंपनी का मैनेजर ज्यादा कहा जाता है। निश्चित रूप से चुनाव में उनकी ये आदत पार्टी के लिए मुश्किल बनी है। ये उनकी संगठनात्मक खामी ही मानी जाएगी कि वे कांग्रेस को उस हालत में ले आए, जहां से उसके आगे बढ़ने की सारी संभावना ही खत्म हो गई। यही स्थिति दिग्विजय सिंह की भी है, वे पार्टी कार्यकर्ताओं पर गुर्राते ज्यादा दिखाई दिए। इन दोनों नेताओं की वजह से पार्टी में नई लीडरशिप को आगे आने का मौका नहीं मिला। इस बार ज्यादातर युवा नेता चुनाव हार गए, जिसके बाद भविष्य की संभावना भी खत्म हो गई। मध्य प्रदेश में भाजपा की जीत उतना मायने नहीं रखती, जितनी कि कांग्रेस की हार। भाजपा के जीत में लाड़ली बहना, सनातन का मुद्दा, सांसदों को विधानसभा चुनाव में उतारना और प्रधानमंत्री मोदी की 'गारंटी' सहित कई कारण गिनाए जा सकते हैं। लेकिन, कांग्रेस की हार का केवल एक ही कारण नजर आ रहा है कि प्रदेश में पार्टी का नेतृत्व बूढ़ा, निस्तेज और अडियल रहा। युवा नेताओं को चुनाव अभियान में शामिल नहीं किया गया। थके, चूके और बूढ़े नेताओं ने कांग्रेस की लगाम नहीं छोड़ी। उम्मीदवारों की घोषणा से लगाकर चुनाव प्रक्रिया और प्रचार रणनीति तक ऐसे नेताओं के हाथ में रही, जिन्हें अब सक्रिय राजनीति से रिटायर हो जाना चाहिए था।

कमलनाथ और दिग्विजय सिंह जैसे पुराने नेता मध्य प्रदेश में कोई चमत्कार कर सकेंगे, यह सोचना कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व की बड़ी भूल थी। कांग्रेस ने 2018 में इस सोच को बदल लिया होता तो, आज ज्योतिरादित्य सिंधिया जैसा युवा नेतृत्व उनसे दूर नहीं जाता। जिस भाजपा को पिछले विधानसभा चुनाव में जनता अस्वीकार कर चुकी थी, वो फिर सत्ता में नहीं आती। इसके बावजूद केंद्रीय नेतृत्व ने कोई सबक नहीं सीखा और कमलनाथ और दिग्विजय सिंह के हाथ में सारा दारोमदार सौंपकर जीत के दावे किए जाने लगे। पूरे चुनाव अभियान में दोनों नेताओं के बीच सामंजस्य का भी साफ अभाव दिखाई देता रहा। यहां तक कि सार्वजनिक मंच पर भी दोनों में खींचतान हुई। इसका नतीजा ये हुआ कि मतदाताओं ने इन्हें नकार दिया।

देसी परिवेश में हो डेस्टिनेशन वेडिंग

देश में इस समय विवाह समारोहों के आयोजन यानी वेडिंग से जुड़ा कारोबार करीब 5 लाख करोड़ रुपये का है। इस वेडिंग कारोबार में 15-17 प्रतिशत की वार्षिक बढ़ोतरी भी हो रही है। चूंकि शादी को कुछ खास अंदाज में करने के लिए देश के बाहर डेस्टिनेशन वेडिंग का चलन अब मध्यवर्गीय परिवारों में भी देखा जा रहा है। खासतौर से कोरोना काल के बाद युवा विदेशों में डेस्टिनेशन वेडिंग करना ज्यादा पसंद कर रहे हैं। ऐसे में वेड इन इंडिया आंदोलन को सक्रिय रूप से आगे बढ़ाकर भारत के वेडिंग कारोबार और इसमें रोजगार को नई ऊंचाइयां दी जा सकती हैं।

जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में कहा कि देश के संपन्न वर्ग के लोगों के बीच 'डेस्टिनेशन वेडिंग' के लिए विदेश जाना चलन बन गया है। ऐसे में यदि शादी के उत्सव को भारत की धरती पर, भारत के लोगों के बीच मनाएंगे, तो देश का पैसा देश में ही रहेगा। उन्होंने कहा कि शादियों के लिए खरीदारी करते समय भी सभी को केवल भारत में बने उत्पादों को ही महत्व देना चाहिए। गौरतलब है कि देश में इस समय विवाह समारोहों के आयोजन यानी वेडिंग से जुड़ा कारोबार करीब 5 लाख करोड़ रुपये का है। इस वेडिंग कारोबार में 15-17 प्रतिशत की वार्षिक बढ़ोतरी भी हो रही है। चूंकि शादी को कुछ खास अंदाज में करने के लिए देश के बाहर डेस्टिनेशन वेडिंग का चलन अब मध्यवर्गीय परिवारों में भी देखा जा रहा है। खासतौर से कोरोना काल के बाद युवा विदेशों में डेस्टिनेशन वेडिंग करना ज्यादा पसंद कर रहे हैं। ऐसे में वेड इन इंडिया आंदोलन को सक्रिय रूप से आगे बढ़ाकर भारत के वेडिंग कारोबार और इसमें रोजगार को नई ऊंचाइयां दी जा सकती हैं।

देश के अमीर वर्ग के लोग देश में ही डेस्टिनेशन वेडिंग को अपनाएं तथा दूसरी ओर विदेशों में रहने वाले भारतीय समुदाय के लोग भी भारत में डेस्टिनेशन वेडिंग की ओर आकर्षित हों, तो इसके लिए कई बातों पर ध्यान देना होगा। जिस तरह विदेश में डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए जो तैयारी होती है, उससे कम मूल्य में और गुणवत्तापूर्ण ढंग से वे तैयारियां बहुत कुछ भारत में भी हैं। भारत में भी शिक्षित-प्रशिक्षित वेडिंग प्लानर उपलब्ध है। वेडिंग प्लानर वेडिंग के आयोजकों के साथ मिलकर न सिर्फ विवाह समारोह के लिए आयोजन की पूरी प्लानिंग करता है वरन उस योजना को खास रूपरेखा प्रदान कर अंतिम रूप भी देता है। इनके द्वारा डेस्टिनेशन वेडिंग से लेकर शादी की विभिन्न रस्मों की आकर्षक थीम और लजीज खानपान की व्यवस्था को खूबसूरत अंजाम दिया जाता हैं। डेस्टिनेशन वेडिंग के तहत शादी के निमंत्रण पत्र की डिजाइनिंग से लेकर, गिफ्ट पैकिंग और वेन्यू तय करने से लेकर बारात का स्वागत करने तक का सारा भार अलग-अलग वेडिंग कारोबार के विशेषज्ञों द्वारा पूरा होता है। आजकल लोगों के पास समय की बहुत कमी है और उनकी महत्वाकांक्षाएं बहुत ज्यादा होती हैं। आज हर कोई बिना तनाव एवं परेशानी के बेहतरीन वैवाहिक व्यवस्था करना चाहता है। ये सारी ऐसी व्यवस्थाएं हैं, जो भारतीय वेडिंग प्लानर द्वारा कुशलतापूर्वक पूरी की जा रही हैं और इससे विवाह में शामिल होने वाले मेहमानों के चेहरे पर भी खुशियां बनी रहती हैं।

विवाह समारोह वर्तमान समय में सामाजिक संस्कार के साथ-साथ व्यक्ति की प्रतिष्ठा का भी पर्याय बन गया है। साथ ही वर्तमान में विवाह से जुड़ी प्रत्येक चीज ट्रेंडी या विशिष्ट हो गई है। लेकिन परंपरा को बनाए रखने की चाह भी नहीं मिटी है, ऐसे में यदि भारत में संस्कार और संस्कृति के मूल्यों के साथ डेस्टिनेशन वेडिंग के अभियान को आगे बढ़ाया जाए तो संपन्न वर्ग के लोगों में विदेशों में डेस्टिनेशन वेडिंग की बढ़ती हुई संख्या को सीमित किया जा सकता है। नि:संदेह, भारतीयों का विदेशों में विवाह आयोजनों का तेजी से बढ़ता रुझान घरेलू वेडिंग उद्योग के मद्देनजर नुकसान की तरह है, वहीं देश के विदेशी मुद्राकोष को घटाने वाला भी है। ऐसे में सरकार और देश के वेडिंग आयोजनों से जुड़े निजी सेक्टर को रणनीतिक रूप से ध्यान देना होगा कि इस समय देश के जो वेडिंग डेस्टिनेशन आकर्षक बने हुए हैं, उन्हें और उपयुक्त बनाकर संपन्न वर्ग को लुभाया जाए।

सरकार को ध्यान देना होगा कि देश में जो चमकीले अनोखेपन वाले पर्यटन केंद्र हैं, उनके आसपास वर्तमान वेडिंग डेस्टिनेशन को विकसित किया जाए और नए वेडिंग डेस्टिनेशन के लिए बुनियादी ढांचे की सुविधाओं पर ध्यान दिया जाए। ज्ञातव्य है कि भारत की संस्कृति, संगीत, हस्तकला, खानपान से लेकर नैसर्गिक सुंदरता हमेशा से लोगों को आकर्षित करती रही हैं। भारत एक ऐसा देश है, जिसके पास हिमालय का सबसे अधिक हिस्सा, विशाल समुद्री तट-रेखा और रेत का रेगिस्तान, कच्छ में सफेद नमक रेगिस्तान, लद्दाख में ठंडे रेगिस्तान और राष्ट्रीय उद्यान जैसी प्राकृतिक विविधताएं हैं। इन क्षेत्रों के नजदीक वेडिंग डेस्टिनेशन के लिए व्यापक बुनियादी ढांचे और अन्य पर्यटन सुविधाओं को नई वेडिंग सोच के साथ आकार दिया जाना होगा। वेडिंग डेस्टिनेशन सेक्टर को अधिक जीवंत बनाने के लिए ऐसी रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा।

ठंड के मौसम में कई तरह की सब्जियां मिलती हैं जिनका प्रयोग टेस्टी सूप बनाने में कर सकते हैं।

वेजिटेबल सूप

इस मौसम में सर्दी-जुकाम, गले में खराश और खांसी जैसी समस्याएं आम देखने को मिलती है। इनसे बचने के लिए रोजाना गर्मा-गर्म सूप का सेवन करें। वहीं अगर आपके गले में खराश या खांसी है तो सूप में हल्की-सी काली मिर्च डाल लें। आप इस सूप को बनाने के लिए अपनी मनपसंद सब्जियों का भी चुनाव कर सकते हैं। वेजिटेबल सूप बनाने के लिए एक पैन गर्म करें, इसमें 1 बड़ा चम्मच तेल डालें। इसके बाद बारीक कटे हुए प्याज, गाजर डालें और 10 मिनट तक भूनें। फिर इसमें मनपसंद दाल डालकर कुछ देर तक भून लें। इसमें पानी डालें उबाल आने तक इसे पकाएं। जब सब्जी और दाल नरम हो जाए, तो गैस बंद कर दें।

टोमेटो सूप

टमाटर के सूप में मौजूद विटामिन C और कैरोटीनॉयड आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को उत्तेजित करने में मदद करते हैं। कहीं-कहीं तो इसका उपयोग सामान्य सर्दी-जुकाम के घरेलू उपचार के रूप में भी किया जाता है। यह एंटीऑक्सिडेंट में भी समृद्ध है जो प्रतिरक्षा प्रणाली की रक्षा करता है। इस सूप को बनाने के लिए प्याज और गाजर को काट लें। इसके अलवा 1 किलो टमाटर को मोटा-मोटा काट लें। एक पैन में 2 बड़े चम्मच तेल गर्म करें और उसमें तेज पत्ते डालकर नरम होने तक भून लें। अब कटे हुए प्याज, टमाटर और गाजर डालें। इसे पकने के छोड़ दें, फिर स्वादानुसार नमक मिलाएं। इस मिश्रण को अच्छी तरह चलाएं। तैयार है टोमेटो सूप।

सर्दियों में शरीर को गर्म रखेंगे ये सूप

सूप में भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं विटामिन्स और मिनरल

सर्दियों में शरीर को गर्म रखने के लिए कई तरह की चीजें डाइट में शामिल करते हैं। आप इस मौसम में सूप भी पी सकते हैं, जो शरीर को गर्म रखने के साथ सर्दी-जुकाम और खांसी से राहत दिलाने में मदद करेंगे। ठंड के मौसम में कई तरह की सब्जियां मिलती हैं। जिनका इस्तेमाल कर आप टेस्टी सूप बना सकते हैं। इनमें भरपूर मात्रा में फाइबर, विटामिन्स और मिनरल पाए जाते हैं। सूप पीने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है।

ब्रोकली और पालक का सूप

सबसे पहले प्याज, लहसुन और ब्रोकली को काट लें। इसके अलावा थोड़ा-सा पालक भी काटकर रख लें। अब एक पैन गर्म करें, इसमें तेल डालें, फिर कटी हुई सब्जियां डालकर भून लें। इसके बाद नमक और काली मिर्च डालें शोरबा के लिए आवश्यकतानुसा पानी मिलाएं। इसे ढककर पकाएं। नींबू का रस मिलाकर सूप का मजा लें।

दाल का सूप

एक पैन में पानी गर्म करें, अब इसमें 2 बड़े चम्मच चना दाल डालें। इसके बाद कटा हुआ प्याज, हरी मिर्च डालें। फिर इसमें नमक मिक्स करें। इसे अच्छी तरह पकाएं। जब यह तैयार हो जाए, तो गैस बंद कर दें। अब इसमें नींबू का रस मिक्स करें और दाल के सूप का आनंद लें। फोलिक एसिड, जो बच्चे के मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी में जन्म के समय होने वाली असामान्यताओं को रोकने में मदद करता है, चना दाल में प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। इसके अतिरिक्त, फोलिक एसिड शरीर की लाल रक्त कोशिकाओं की संख्या में वृद्धि में योगदान देता है, जो बच्चे के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। अगर आप इम्यूनिटी बढ़ाना चाहते हैं, तो आपको मूंग दाल के सूप का सेवन करना चाहिए। क्योंकि मूंग दाल के सूप में पाया जाने वाला विटामिन्स इम्यूनिटी को बढ़ाने में मदद करता है, जिससे आपका मौसमी बीमारियों से बचाव होता है।

हंसना मना है

एक व्यक्ति नदी में डूब रहा था, व्यक्ति- बचाओ गणेश जी बचाओ.. गणेश जी आये और नाचने लगे, व्यक्ति- आप नाच क्यों रहे हो? गणेश जी- तू भी मेरे विसर्जन में बहुत नाचता है।

डॉक्टर- अब क्या हाल है? मरीज- पहले से ज्यादा खराब है। डॉक्टर- दवाई खाली थी क्या? मरीज- नहीं दवाई की शीशी तो भरी हुई थी। डॉक्टर- मेरा मतलब दवाई लेली थी? मरीज- आप ने दी तो मैंने लेली। डॉक्टर- बेवकूफ दवाई पिली थी? मरीज- नहीं दवाई तो लाल थी। डॉक्टर-गधे दवाई को पीलिया था? मरीज- नहीं जी पीलिया तो मुझे था।

पिंकी बहुत तेजी से स्कुटी चला रही थी, और उसने रेड लाइट क्रॉस कर दी.. ट्रैफिक पुलिस- चलो स्कुटी साइड में खड़ी करो, तुम्हारा चालान कटेगा। पिंकी- सर मुझे माफ कर दो पहली बार हुआ है। ट्रैफिक पुलिस- तुम्हे रेड लाइट नहीं दिखी थी क्या? पिंकी- दिखी तो थी पर आप नहीं दिखे, न जाने कहा छुप कर बैठे थे।

विणा अपने पति से- तुम सच में, बहुत सीधे साधे और भोले हो, तुम्हें कोई भी आसानी से बेवकूफ बना सकता है। पति- सच कह रही हो, शुरुवात तो तुम्हारे पापा ने ही की है।

कहानी | बिना अकल के नकल

एक बार देश में सूखे की वजह से अकाल पड़ गया। सभी लोगों की फसलें सूखकर बर्बाद हो गई। लोग खाने-पीने के लिए तरसने लगे। बेचारे कौवों और अन्य पशु-पक्षियों को भी रोटी या खाने के टुकड़े नहीं मिल रहे थे। एक दिन एक कौवा-कौवी की जोड़ी एक पेड़ पर रूके और वहीं पर अपना बसेरा बना लिया। उसी पेड़ के नीचे एक तालाब था। उस तालाब में पानी में रहने वाला एक कौवा रहता था। वह दिन भर पानी में रहता और ढेर सारी मछलियां पकड़कर अपना पेट भरता रहता था। वहीं, पेड़ की डाल पर बैठा कौवा, जब पानी वाले कौवे को देखता, तो उसका भी मन उसी की तरह बनने का करता। उसने सोचा कि अगर वह पानी वाले कौवे से दोस्ती कर ले, तो उसे भी दिन भर खाने के लिए मछलियां मिलेंगी और उसके भी दिन अच्छे से गुजरने लगेंगे। वह तालाब के किनारे गया और पानी वाले कौवे से मीठे स्वर में बात करने लगा। उसने कहा-मित्र सुनो, तुम बहुत ही स्वस्थ हो। पलक झपकते ही मछलियां पकड़ लेते हो। क्या मुझे भी अपना यह गुण सिखा दोगे? यह सुनकर पानी वाले कौवे न कहा-मित्र, तुम यह सीखकर क्या ही करोगे, जब भी तुम्हें भूख लगे, तो मुझे बता दिया करो। मैं तुम्हें पानी में से मछलियां पकड़कर दे दूंगा और तुम खा लिया करना। उस दिन के बाद से जब भी कौवे को भूख लगती, वह पानी वाले कौवे के पास जाता और उससे ढेर सारी मछलियां लेकर खाता। एक दिन उस कौवे ने सोचा कि पानी में जाकर बस मछलियां ही तो पकड़नी हैं। यह काम वह खुद भी कर सकता है। एक दिन वह तालाब के पानी में जाने लगा, तो पानी वाले कौवे ने उससे फिर कहा-मित्र, तुम ऐसा मत करो। तुम्हें पानी में मछली पकड़ना नहीं आता है, इस वजह से पानी में जाना तुम्हारे लिए जोखिम भरा हो सकता है। कौवे ने घमंड में कहा-मैं भी तुम्हारे जैसा पानी में जाकर मछलियां पकड़ सकता हूं और आज मैं ऐसा करके साबित भी कर दूंगा। इतना कहकर उसने तालाब में छपाक छलांग लगा दी। और काई में वह फंस गया। उस कौवे को काई हटाने या उससे बाहर निकलने का कोई अनुभव नहीं था। उसने काई में अपनी चोंच मारकर उसमें छेद करना चाहा। इसके लिए जैसे ही उसने अपनी चोंच काई में धंसाई उसकी चोंच भी काई में फंस गई। काफी प्रयास करने के बाद भी वह उस काई से बाहर न निकल सका और कुछ देर बाद पानी में दम घुटने की वजह से उसकी मृत्यु हो गई। बाद में कौवे को ढूंढते हुए कौवी भी तालाब के पास आई। वहां आकार उसने पानी वाले कौवे से अपने कौवे के बारे में पूछा। पानी वाले कौवे ने सारी बात बताते हुए कहा-मेरी नकल करने के चक्कर में, उस कौवे ने अपने ही हाथों से अपने प्राण धो लिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आपका दिन शानदार रहेगा। जिस काम को कई दिनों से पूरा करने की सोच रहे हैं वो आज किसी की मदद से पूरा हो जाएगा। आज किसी दूसरे के काम में राय देने से बचें।

वृषभ

आज परिवार का माहौल सुखमय रहेगा, क्योंकि आज आप अपने परिवार के सदस्यों के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे। साथी संग कहीं बाहर घूमने के लिए जा सकते हैं।

मिथुन

आज का दिन आपको अपने काम को बेहतर ढंग से करने के लिए शुभ है। इस राशि के जो लोग सिंगिंग के शौकीन है उनके लिए आज का दिन बेहतरीन है।

कर्क

आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। कार्य क्षेत्र में आपके द्वारा किए गए कामों की प्रशंसा होगी, जिसके कारण आज आपके शत्रु भी आपके मित्र बने नजर आएंगे।

सिंह

आज आपके मन मे नए-नए विचार उत्पन्न होंगे। आपके नए विचारों से आपके आस-पास के लोग प्रभावित होंगे। साथ ही आपकी सराहना करेंगे।

कन्या

आज का दिन बेहतर रहने वाला है, क्योंकि आज आपको व्यापार में दिनभर लाभ के अवसर मिलते रहेंगे, जिनसे आप प्रसन्न रहेंगे और आपकी आर्थिक स्थिति को मजबूती मिलेगी।

तुला

आज आगे बढ़ने के नये रास्ते नजर आयेंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स की तरक्की में कई दिनों से आ रही रुकावटें आज दूर हो जाऐंगी। बच्चे आपको खुश होने की वजह देंगे।

वृश्चिक

आज का दिन आपके लिए मिश्रित परिणाम लेकर आएगा। आज आपको अपने व्यापार के लिए कड़वाहट को मिठास में बदलने की कला को सीखना होगा।

धनु

आज का दिन अनुकूल रहेगा। ऑफिस में किसी बड़े काम की जिम्मेदारी आपके कंधे पर आयेगी। आज सामने आयी सभी चुनौतियों का डटकर मुकाबला करेंगे।

मकर

आज का दिन सामाजिक दृष्टिकोण से कार्यरत लोगों के लिए उत्तम रहने वाला है। आपके कार्यों की सराहना होगी व आपको कुछ नई जनसभाएं करने का भी मौका मिलेगा।

कुम्भ

आज का दिन बेहतरीन रहेगा। इस राशि के इंजीनियरिंग करने वाले स्टूडेंट्स के लिए दिन अच्छा है। अगर आप जॉब बदलने का मन बना रहे हैं तो आज का दिन अच्छा रहेगा।

मीन

आज का दिन आपके लिए किसी बहुमूल्य वस्तु की प्राप्ति का दिन रहेगा। आज आपको बड़ों के आशीर्वाद से व आपकी मेहनत से किसी बहुमूल्य वस्तु की प्राप्ति होगी।

बॉलीवुड | प्रमोशन

मुंबई ही नहीं विदेश में भी वड़ा पाव का है क्रेज : अमिताभ

कौन बनेगा करोड़पति 15 को होस्ट कर रहे मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने बताया कि कैसे महाराष्ट्र का सबसे पसंदीदा व्यंजन वड़ा पाव यूरोप के बुल्गारिया में प्रसिद्ध है। क्विज बेस्ड रियलिटी शो के एपिसोड 86 में, होस्ट अमिताभ ने महाराष्ट्र के नंदुरबार से दिलीप मोहन शिम्पी का हॉट सीट पर स्वागत किया। 2,000 रुपये के लिए, कंटेस्टेंट से सवाल पूछा गया-इनमें से किस मेन इनग्रेडिएंट्स में एक प्रकार की ब्रेड और आलू शामिल हैं? दिए गए विकल्प थे-जलेबी, वड़ा पाव, पुलाव और रवा इडली। सही उत्तर वड़ा पाव था। डॉन अभिनेता ने आगे कहा, वड़ा पाव एक टेस्टी नाश्ता है, सर। महाराष्ट्र में, कोई भी पूरा जीवन केवल वड़ा पाव पर ही जीवित रह सकता है, खासकर मुंबई में। 81 वर्षीय अभिनेता ने आगे एक किस्सा सुनाया और साझा किया कि वड़ा पाव केवल मुंबई में ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में एक लोकप्रिय नाश्ता है। कुछ साल पहले मैं एक फिल्म की शूटिंग के लिए बुल्गारिया गया था। मैंने वहां बुल्गारिया में वड़ा पाव बिकते देखा। अमिताभ ने कहा, मैंने उनसे पूछा कि यह क्या है। उन्होंने मुझे अपनी भाषा में बताया यह टेस्टी है और यहां काफी पॉपुलर है। मैंने उनसे पूछा, यह किसने बनाया है? उन्होंने कहा, यहां एक इंडियन इन्हें बनाता है और उन्होंने इसका आनंद उठाया। विदेशी लोग बड़े चाव से वड़ा पाव खा रहे थे।

रजनीकांत का लाल सलाम

अ रजनीकांत ने अपने 73वें जन्मदिन पर फैंस को बड़ा तोहफा दे दिया है। लंबे वक्त से उनकी फिल्म लाल सलाम का इंतजार हो रहा है। अब अपने जन्मदिन पर रजनीकांत ने अपनी इस फिल्म का फर्स्ट लुक शेयर कर दिया है। इस टीजर को देखकर आपके होश उड़ने वाले हैं।

लाल सलाम के टीजर में रजनीकांत को एकदम अलग लुक में देखा जा सकता है। टीजर की शुरुआत उनके ब्राउन अचकन और पायजामा पहने अपने बंगले से बाहर निकलने से होती है। इसके बाद उनकी गाड़ी एक फैक्ट्री वाले मोहल्ले में जाती है, जहां कई आदमी और औरतें नीली वर्दी पहने खड़े हैं। यही से एक्शन की शुरुआत होती है। आप रजनीकांत को लोगों को पछाड़ते हुए देखेंगे। लात-घूसे के साथ-साथ वो जंजीर से भी गुंडों की धुलाई कर रहे हैं। उन्हें आग और गुंडों के बीच से स्टाइल में निकलते भी देखा जा सकता है। इसके बाद आप उन्हें टोपी लगाए नमाज पड़ते देखेंगे। वो नमाज पढ़ रहे हैं और उनके पास कुरान रखी हुई है।

लाल सलाम तमिल भाषा की स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म बताई जा रही है। इसमें रजनीकांत जबरदस्त रोल निभा रहे हैं। फिल्म में थलाइवर रजनीकांत के साथ विष्णु विशाल, विक्रांत, विग्णेश और जीविता जैसे स्टार्स नजर आएंगे। पिक्चर की कहानी को रजनीकांत की बेटी ऐश्वर्या ने लिखा है। लाल सलाम की डायरेक्टर भी ऐश्वर्या ही हैं।

परिवार संग मनाया जन्मदिन

अपने 73वें जन्मदिन पर रजनीकांत को मोहनलाल, धनुष, जैकी श्रॉफ, कमल हासन, जूनियर एनटीआर संग कई साउथ और बॉलीवुड के सेलेब्स से शुभकामनाएं मिलीं। उन्होंने अपने परिवार के साथ मिलकर इस खास दिन को घर पर मनाया। रजनीकांत के घर पर छोटी-सी पार्टी रखी गई थी, जिसमें उनकी पत्नी लता, बेटियां ऐश्वर्या और सौंदर्या संग अन्य परिवारवाले शामिल हुए।

बॉलीवुड | मसाला

कब रिलीज होगी फिल्म

इस फिल्म का ऐलान नवंबर 2022 में किया गया था। इसकी शूटिंग मार्च 2023 में शुरू हुई और अगस्त में खत्म हुई थी। मूवी को लेकर ऐश्वर्या रजनीकांत ने एक लंबी पोस्ट भी शेयर की थी। उन्होंने बताया था कि कैसे लाल सलाम को बनाने के लिए उन्होंने अपना पसीना बहाया है और धूप में काली भी हुई हैं। रिलीज की बात करें तो जनवरी 2024 में पोंगल के दिन लाल सलाम सिनेमाघरों में आएगी।

सुहाना और खुशी कपूर की फिल्म आते ही नेपोटिज्म का जिन्न जगा

हाल ही में शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान और दिवंगत एक्ट्रेस श्रीदेवी की बेटी खुशी कपूर ने द आर्चीज से बॉलीवुड डेब्यू किया है। फिल्म को मेघना गुलजार ने डायरेक्ट किया है। वहीं सुहाना और खुशी की पहली फिल्म रिलीज होने के साथ ही एक बार फिर नेपोटिज्म का जिन्न जाग गया है और इसे लेकर बातें होनी शुरू हो गई हैं। ऐसे में इस मुद्दे पर आलिया भट्ट की मां और वेटरन एक्ट्रेस सोनी राजदान ने भी कुछ ऐसा कह दिया है कि हर कोई शॉक्ड रह गया है।

दरअसल फ्रेडी बर्डी ने इंस्टाग्राम पर हाल ही में एक पोस्ट की थी जिसने सभी का ध्यान खींचा था। पोस्ट में नेपोटिज्म को लेकर लिखा गया था, जो लोग भाई-भतीजावाद के बारे में सोशल मीडिया पर विलाप करते हैं, वे ऐसे लोग हैं जिनके माता-पिता का करियर ऐसा था कि वे उनसे लाखों मील दूर रहना चाहेंगे। वहीं आलिया भट्ट की मां और दिग्गज एक्ट्रेस सोनी राजदान ने अब इस वायरल पोस्ट पर रिएक्शन देते हुए नेपोटिज्म पर अपनी राय शेयर की है। सोनी राजदान ने लिखा, क्या एक बच्चे के पास माता-पिता के प्रोफेशन से इनकार करने का पहला अधिकार है?

डेंटिस्ट बच्चों के डेंटिस्ट बनने में कभी कोई परेशानी नहीं होती। मुझे भी इसका पूरा एहसास है। मैं भी एक आउटसाइडर थी जो अंदर घुसने की कोशिश कर रही थी। सबसे बुद्धिमान शब्द जो मैंने कभी सुने थे वे थे-दुनिया आपके जीवित रहने का ऋणी नहीं है। अगर आप इससे निपटने में सक्षम नहीं हैं तो दूसरा प्रोफेशन सर्च करें।

अजब-गजब | डायनासोर युग से भी पहले अस्तित्व में आया यह जीव

उल्टा क्यों लटकते हैं चमगादड़

चमगादड़ के बारे में ज्यादातर लोगों को सिर्फ इतना पता है कि इनकी वजह से वायरस फैल सकता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि चमगादड़ उल्टे क्यों लटकते हैं? जमीन से उड़ान क्यों नहीं भर पाते? अजबगजब ज्ञान सीरीज के तहत आज हम आपको चमगादड़ के बारे में अनसुने तथ्यों की जानकारी देंगे। बताएंगे कि यह दुनिया का सबसे अनोखा जीव क्यों है। चमगादड़ रेगिस्तान में भी पाए जाते हैं और बर्फीले दक्षिणी ध्रुव पर भी, ऐसे कैसे? जबकि दोनों जगह के तापमान में काफी अंतर होता है।

पहली बात, चमगादड़ बहुत समय से अस्तित्व में हैं, डायनासोर युग से भी पहले से। ये सबसे चरम तापमान वाले रेगिस्तान में भी मिलते हैं तो सबसे ठंडे ध्रुवीय इलाके में भी नजर आते हैं। इनमें कुछ अद्भुत क्षमताएं होती हैं। मैक्सिकन चमगादड़ काफी ऊंचाई तक उड़ सकते हैं। छोटे भूरे चमगादड़ शीत निद्रा में चले जाते हैं और एक घंटे तक आपको लगेगा कि वे सांस ही नहीं ले रहे हैं। मछली पकड़ने वाले चमगादड़ों में एक खास सेंसर होता है, जिससे वे अन्य जीवों की अपेक्षा ज्यादा तेजी से इन्हें पहचान लेते हैं। माइनो के पंख इंसान के बाल जितना बारीक होते हैं। चमगादड़ सिर्फ काले नहीं होते, होंडुरन नाम का चमगादड़ सफेद होता है। इनकी नाक पीली होती है।

अब मूल सवाल का जवाब। अन्य पक्षियों की तरह चमगादड़ जमीन से उड़ान नहीं भर पाते, क्योंकि उनके पंख भरपूर उठान नहीं देते और उनके पिछले पैर इतने छोटे और अविकसित होते हैं कि वो दौड़ कर गति नहीं पकड़ पाते। उल्टे लटके रहने से चमगादड़ बड़ी आसानी से उड़ान भर सकते हैं। चमगादड़ आमतौर पर अंधेरी गुफाओं में दिनभर आराम करते हैं, सोते हैं और रात को ही निकलते हैं। ये सोते हुए गिर क्यों नहीं जाते इसका कारण ये है कि चमगादड़ के पैरों की नसें इस तरह व्यवस्थित हैं, कि उनका वजन ही उनके पंजों को मजबूती के साथ पकड़ने में मदद करता है। चमगादड़ की बनावट भी वातावरण के हिसाब से होती है। कुछ चमगादड़ों का फर अंगोरा जैसा लंबा होता है। यह लाल, काला और सफेद हो जाता है। थाईलैंड का भौंरा चमगादड़ सबसे कम वजन का होता है। इंडोनेशिया में पाया जाने वाला चमगादड़ 6 फीट तक पंख फैला सकता है। लैटिन अमेरिका में पाए जाने वाले 70 प्रतिशत चमगादड़ सिर्फ खून पीते हैं। कनाडा में पाए जाने वाले चमगादड़ कीड़े खाते हैं।

बड़े लोगों को बुलाते वक्त जी क्यों लगाते हैं, ये शब्द आया कहां से ?

आम बोलचाल की भाषा में हम कई ऐसे शब्दों का प्रयोग करते हैं, जिनके बारे में हमें पूरी जानकारी नहीं होती। जैसे 'रत्ती भर भी शर्म नहीं', इस शब्द में रत्ती भर का मतलब बहुत सारे लोग नहीं जानते हैं, लेकिन अजबगजब नॉलेज सीरीज के तहत हमने बताया कि रत्ती का बीज होता है, जो काफी हल्का होता है। इसी से प्राचीन समय में सोना चांदी तौला जाता था। इसीलिए इससे सबसे कम मात्रा मानी गई। लेकिन क्या आपको पता है कि बड़े और पूजनीय लोगों के संबोधन के आगे जी क्यों लगाया जाता है? आखिर ये शब्द आया कहां से? इसका सही मतलब क्या होता है? आइए जानते हैं। ऑनलाइन प्लेफार्म कोरा पर कई यूजर्स ने अपनी-अपनी जानकारी के हिसाब से मतलब बताया। लेकिन सच क्या है? बीबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, आदरसूचक शब्द 'जी', संस्कृत के जित या युत शब्द से बना है। जित का प्राकृत रूप जिव होता है। शुभकामना के अर्थ में जित यानी आपकी जय हो आप विजयी हों। युत का प्राकृत रूप युक होता है जो हिंदी में आते-आते जू हो गया और कालांतर में 'जी' में बदल गया। आज भी भारत की कई प्रादेशिक भाषाओं में, आदरसूचक शब्द 'जी' के अर्थ में जू का प्रयोग किया जाता है, जैसे दाऊ जू, कहो जू यानी दाऊ जी, कहो जी। राजस्थान, यूपी, उत्तराखंड समेत कई राज्यों में इन टर्म का अर्थ होता है। खास बात, 'जी' शब्द किसी राज्य या धर्म की सीमाओं से बंधा हुआ नहीं है। मसलन सिख सांगत को सामूहिक रूप से 'खालसा जी' संबोधन से पुकारा जाता है। इसी तरह मौलवी जी, डॉक्टर जी। कई जगह हामी भरने के लिए जी हां, शब्द का भी प्रयोग किया जाता है। तमिल में पुरुषों के लिए 'तिरु' और शादीशुदा औरतों के लिए 'तिरुमति' प्रयोग होते हैं। यह 'श्री' व 'श्रीमती' के तमिल रूप हैं। अक्सर नाम के पीछे इज्जत दर्शाने के लिए 'आवर्गल' या 'वाल' शब्द लगते हैं, मसलन 'दलाई लामा आवर्गल'। इसी तरह कन्नड़ में नाम के पीछे 'अवारु' लगाया जाता है। मसलन 'विश्वेश्वरइय्याह' को 'विश्वेश्वरइय्याह अवारु' कहा जाता है।

नीतीश और तेजस्वी की अडानी समूह के निदेशक प्रणव ने की जमकर तारीफ

अडानी समूह ने बिहार में अपना निवेश दस गुना बढ़ा कर 8700 करोड़ किया

बिहार बिजनेस कनेक्ट सम्मेलन में शामिल होना सम्मान की बात : प्रणव

10 हजार लोगों को मिलेगा रोजगार

» **वेयरहाउस में 150 एकड़ के स्केल में 1200 करोड़ का निवेश होगा**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। अडानी समूह के निदेशक प्रणव अडानी ने बिहार के सीएम नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम कर जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि अडानी समूह 8700 करोड़ का निवेश करेगा। समूह के निदेशक प्रणव अडानी ने कहा, मैं पटना आकर और बिहार बिजनेस कनेक्ट सम्मेलन में शामिल होकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं इस प्रोग्राम के आयोजन के लिए बिहार सरकार को बधाई देता हूं, इस आयोजन ने सभी क्षेत्रों के इंडस्ट्री लीडर्स को एक साथ लाने का काम किया है। बिहार बिजनेस कनेक्ट 2023 के दौरान अडानी समूह ने घोषणा की है कि बिहार राज्य में मौजूदा 850 करोड़ रुपये के निवेश को बढ़ाकर 10 गुणा किया जाएगा, और समूह राज्य सरकार के बिहार

डेवलपमेंट विज़न के साथ है।

अडानी समूह के निदेशक प्रणव अडानी ने सम्मेलन के दौरान कहा, मुझे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि अडानी ग्रुप आपके बिहार डेवलपमेंट विजन के साथ है... बिहार में अडानी ग्रुप लॉजिस्टिक्स, गैस डिस्ट्रिब्यूशन और साइलो में एग्री-लॉजिस्टिक सेक्टर में पहले से ही मौजूद है, इसमें हम अभी तक 850 करोड़ रुपये का निवेश कर चुके हैं, अब हम अपना निवेश बिहार में 10 गुणा करना चाहते हैं, और 8700 करोड़ रुपये का निवेश हमारी प्लानिंग है। उन्होंने कहा, कि आज के दौर में सभी लोग बिहार को इन्वेस्टमेंट एट्रैक्टिव डेस्टिनेशन के तौर पर देखते हैं, साल 2003 में दुनिया के सबसे बड़े मुंद्रा पोर्ट के प्राइवेट रेल लिंक का शुभारंभ भी नीतीश कुमार ने किया था, और प्राइवेट सेक्टर पोर्ट्स में रेल लिंक को बढ़ावा देने पर नीतीश जी ने जोर भी दिया था, उस दौरान भी नीतीश जी विकास के विषय में काफी दूर की सोच रहे थे।

प्रणव ने कहा कि हम तीन अतिरिक्त सेक्टरों में निवेश करना चाहते हैं, जिनमें प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 10,000 लोगों को रोज़गार मिलेगा... हम अपने वेयरहाउस में 150 एकड़ के स्केल में 1200 करोड़ का निवेश करने की योजना बना रहे हैं, इसमें से एक बड़ा गोदाम पटना में ही होने वाला है, इससे 2,000 लोगों को रोज़गार मिलेगा... इसके अलावा हम छह जगहों – पूर्णिया, बेगूसराय, दरभंगा, समस्तीपुर, किशनगंज और अररिया – में अपने साइलो स्टोरेज को डेढ़ लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 2,75,000 मीट्रिक टन करने के लिए 900 करोड़ रुपये का निवेश कर रहे हैं... हम गया और नालंदा में अपना सिटी गैस डिस्ट्रिब्यूशन नेटवर्क बढ़ाने के लिए 200 करोड़ रुपये का निवेश कर रहे हैं।

सीएम व डिप्टी सीएम ने बिहार में जीवनस्तर को सुधारा

अडानी समूह के निदेशक ने कहा, अगर बिहार के डेवलपमेंट प्लान का ज़िक्र करूं, तो साइकिल, यूनिफॉर्म स्कीम और जीविका योजना से महिलाओं की आय और जीवनस्तर में काफी सुधार आया है। हर घर में पीने का साफ पानी और बेरोजगारों के लिए चलाई गई चीफ मिनिस्टर एम्प्लॉयमेंट स्कीम और बिहार रूरल लाइवलिहुड प्रोजेक्ट जैसी योजनाएं पूरे देश के लिए एक स्टैंडर्ड स्थापित कर रही हैं... मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अडानी ग्रुप आपके बिहार डेवलपमेंट विजन के साथ है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण है, बिहार में हमारा इन्वेस्टमेंट प्लान... बिहार में अडानी ग्रुप लॉजिस्टिक, गैस डिस्ट्रिब्यूशन और साइलो में एग्री-लॉजिस्टिक सेक्टर में पहले से मौजूद है और इसमें हम अभी तक 850 करोड़ रुपये का निवेश कर चुके हैं, और प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 3,000 लोगों को रोजगार मिल रहा है।

संक्षिप्त खबरें

एनआईए ने बेंगलुरु में 6 जगहों पर की छापेमारी

बेंगलुरु। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आतंकी साजिश मामले की चल रही जांच के तहत मंगलवार को बेंगलुरु में छह स्थानों पर छापेमारी की। यह कदम हाल ही में इस्लामिक स्टेट (आईएस) से जुड़े होने के संदेह में शहर के एक व्यापारी की गिरफ्तारी के बाद उठाया गया है। सूत्रों के अनुसार, 2008 के बेंगलुरु विस्फोटों के पीछे के मास्टरमाइंड के रूप में पहचाने जाने वाले टी नासिर पर बेंगलुरु जेल में कैद के दौरान मिले लोगों का धर्म परिवर्तन कराने का संदेह है। नासिर को पहले पुलिस ने हिरासत में लिया था। आरोप है कि नासिर ने कारावास के दौरान लोगों को धर्म परिवर्तन के लिए वित्तीय सहायता का वादा कर बहकाया और उन्हें कट्टरपंथी बनाया। अपनी रिहाई के बाद, लोगों ने कथित तौर पर एक मदरसे में धर्म परिवर्तन कराया। एनआईए के अधिकारी धर्मांतरण कराने वाले लोगों का पता लगाने में कामयाब रहे और बाद में इन मामलों से संबंधित सबूत जुटाए। छापेमारी का उद्देश्य धर्मांतरण मामलों से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेजों का सत्यापन करना था।

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई दिल्ली सरकार को फटकार

नई दिल्ली। दिल्ली पानीपत और अलवर रैपिड रेल कॉरिडोर के लिए दिल्ली सरकार द्वारा अपने हिस्से की बकाया राशि न देने को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस सुनवाई के दौरान कोर्ट ने दिल्ली सरकार को बकाया राशि को जमा कराने के लिए एक हफ्ते का समय दिया है। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान दिल्ली सरकार को फटकार लगाते हुए कहा है कि वह केंद्र सरकार से मंजूरी लेकर इस फंड को जल्द जमा करे। साथ ही कोर्ट ने चेताया है कि अगर दिल्ली सरकार ने फंड का भुगतान नहीं किया तो अदालत का विज्ञापन फंड सीज कर फंड देने का आदेश फिर से प्रभावी ना हो जाए। सुनवाई के दौरान दिल्ली सरकार के वकील ने कहा कि कोरिडोर के लिए बजटीय प्रावधान कर दिया गया है, केंद्र की मंजूरी का इंतजार है, ताकि बकाया राशि का भुगतान किया जा सके। वहीं, केंद्र की तरफ से पेश हो रहे अटॉर्नी जनरल (एजी) ने कहा कि फंड को मंजूरी देने में कोई समस्या नहीं है। पर सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि दिल्ली पानीपत और दिल्ली अलवर कॉरिडोर के लिए बजटीय प्रावधान दिल्ली सरकार द्वारा किए गए हैं और केंद्र सरकार से मंजूरी मांगी गई है।

मुझे लगा अब जान नहीं बचेगी : मलूक नागर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद में घुसे एक आरोपी को दबोचने वाले बीएसपी सांसद ने पूरी कहानी बताई है। मलूक नागर ने बताया, जहां पर हमलोगों की सीट है, वहीं ऊपर दर्शक दीर्घा है, शून्य काल चल रहा था, 5-7 मिनट ही बचे थे अचानक मुझे लगा कि जैसे किसी ने मेरी बेंच को धक्का दे दिया है, मैं कुछ समझ पाता, उससे पहले युवक बेंच पर कूदने लगे उन्होंने बताया, लग रहा था जान नहीं बचेगी। जब मैं उसके पीछे भागा तो युवक कहने लगा तानाशाही नहीं चलेगी।

बसपा नेता ने बताई आपबीती

नागर ने बताया, वह सीटों के ऊपर से जंप करने लगा। जब हम उसे पकड़ने भागे तो वो कहने लगा- नजदीक मत आओ, नजदीक मत आओ, तानाशाही नहीं चलेगी। नजदीक पहुंचते ही उसने जूता निकाल लिया, उसमें से कुछ निकाला और धुआं फैल गया। नागर ने बताया कि युवक के कूदते ही पीठासीन पदाधिकारी राजेंद्र अग्रवाल ने सदन की कार्यवाही 2 बजे तक स्थगित करने की घोषणा कर दी। सारे सांसद घबरा गए थे। मलूक नागर ने कहा कि एक वक्त ऐसा लगा कि हमारी जान बच पाएगी या नहीं, वहीं, बीजेपी सांसद प्रताप सारंगी ने आरोपियों को आतंकी बताया है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी भी उस वक्त सदन में ही मौजूद थे। टीएमसी सांसद सुदीप बंधोपाध्याय ने इस घटना को भयानक अनुभव बताया है।

मोबाइल टेक्नोलॉजी को इन्फिनिक्स ने किया और उन्नत

स्मार्ट सीरीज में पेश किया नया स्मार्टफोन 8 एचडी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मोबाइल टेक्नोलॉजी उद्योग में ट्रेलब्लेर, इन्फिनिक्स ने अपनी स्मार्ट सीरीज में नया स्मार्टफोन, इन्फिनिक्स स्मार्ट 8एचडी पेश किया है। लखनऊ में इसकी लांचिंग टीवी सीरियल दियाबाती फेम की अभिनेत्री दीपिका सिंह ने किया। आयोजकों ने बताया कि 6299 रु. में उपलब्ध स्मार्ट 8एचडी में शानदार फीचर्स हैं, जो इस सेगमेंट के लिए नए मानक स्थापित करते हुए स्मार्टफोन का अत्याधुनिक अनुभव प्रदान करेंगे।

इन्फिनिक्स 8एचडी में यूजर्स को परफॉर्मेंस और सुंदरता का बेहतरीन मिश्रण प्रदान करने के लिए स्मार्ट सीरीज के पिछले स्मार्टफोंस के मुकाबले बड़े अपग्रेड किए गए हैं। इसमें 90 हर्ट्ज का रिफ्रेश रेट, 8 मेगापिक्सल का सेल्फी कैमरा, साईड माउंटेड फिंगरप्रिंट सेंसर, और डायनामिक एक्सपैंडेबल नॉच फीचर दिया गया है, जिनकी मदद से यह किफायती स्मार्टफोन के सेगमेंट में नए कीर्तिमान बना देगा। अनीश कपूर, सीईओ, इन्फिनिक्स इंडिया ने

कहा, ''वर्तमान में 10 हजार से कम कीमत वाले सेगमेंट में इनोवेटिव स्मार्टफोन की कमी है। अपनी स्मार्ट 8 सीरीज के साथ हम इस सेगमेंट में प्रीमियम डिजाईन और इनोवेटिव फीचर्स के साथ अत्याधुनिक स्मार्टफोन पेश करना चाहते हैं। अपने टिम्बर टैक्सचर डिजाइन और शानदार कैमरा मॉड्यूल के साथ, स्मार्ट 8एचडी, उन यूजर्स को आकर्षित करेगा, जो स्टाइलिश स्मार्टफोन चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि हमें स्मार्टफोन के क्षेत्र में लगातार सीमाओं का विस्तार करते हुए यूजर्स की पसंद के अनुरूप स्मार्टफोन पेश करने पर गर्व है। हम स्मार्टफोन सेगमेंट में नए कीर्तिमान बनाने के इस सफर में अपने यूजर्स के शामिल होने के लिए उत्सुक हैं।

टी-20 रेटिंग: रिंकू ने लगाई लंबी छलांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गक्बेरहा में दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में जड़े अर्धशतक की बदौलत आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान मजबूत किया। वहीं रिंकू सिंह को भी बड़ा फायदा हुआ है।

46 पायदान ऊपर 59वें स्थान पर

» **रैंकिंग में सूर्यकुमार बने शीर्ष बल्लेबाज**

भारत के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गक्बेरहा में दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में जड़े अर्धशतक की बदौलत आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान मजबूत किया। सूर्यकुमार ने महज 36 गेंद में 56 बनाये जिससे उन्हें 10 रेटिंग अंक प्राप्त हुए। हालांकि भारतीय टीम इस रोमांचक मैच में दक्षिण अफ्रीका से पांच विकेट से हार गयी। दायें हाथ के बल्लेबाज सूर्यकुमार के अब कुल 865 रेटिंग अंक हो गये हैं जिससे वह अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान (787 अंक) और दक्षिण अफ्रीका के ऐडन मार्कराम (758 अंक) से काफी आगे हैं। सूर्यकुमार ने शीर्ष रैंकिंग पिछले साल के अंत में आस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप के दौरान हासिल की थी और ऐसा लगता है कि वह अगले साल वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले विश्वकप तक इस स्थान पर कब्जा बनाये रखेंगे।

आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप शुरू होने में अब छह महीने से भी कम समय रह गया है। दक्षिण अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज रीजा हेंड्रिक्स भारत के खिलाफ 49 रन की पारी के बाद एक पायदान के फायदे से आठवें स्थान पर पहुंच गये जबकि तिलक वर्मा (10 पायदान ऊपर 55वें स्थान पर) और रिंकू सिंह (46 पायदान ऊपर 59वें स्थान पर) को भी फायदा हुआ।

भाजपा सांसद की भूमिका पर उठे सवाल!

संसद में हमला : आरोपी के लिए कर्नाटक के सांसद की ओर से जारी हुए थे पास, लोकसभा अध्यक्ष से मिलकर सिम्हा ने रखी अपनी बात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में विजिटर्स गैलरी से कूदने वाले सागर और मनोरंजन डी को गिरफ्तार कर लिया गया है। संसद की सुरक्षा में हुई इस बड़ी चूक ने सभी को हैरान करके रख दिया है। इन दोनों ही आरोपियों को मैसूरु के बीजेपी सांसद प्रताप सिम्हा की तरफ से पास मिला था। बीजेपी के सासंद की तरफ से जारी हुए पास मिलने के बाद सांसद समेत पूरी बीजेपी को विपक्ष ने घेर लिया है।

दरअसल, जब किसी सांसद के जरिए किसी व्यक्ति को पास दिया जाता है, तो उन्हें एक शपथ पत्र देना होता है कि वे उस व्यक्ति को व्यक्तिगत रूप से जानते हैं। संसद में घुसपैठ करने वाले आरोपियों से जो पास बरामद हुआ है, उसमें बीजेपी सांसद प्रताप सिम्हा का नाम लिखा हुआ है, यही वजह है कि अब बीजेपी सांसद

हर किसी के निशाने पर हैं, हालांकि, अभी तक प्रताप सिम्हा की तरफ से इस घटना पर कोई बयान नहीं आया है।

एक आरोपी मेरे संसदीय क्षेत्र का, मांगा था विजिटर्स पास : सांसद

ऐसी जानकारी प्राप्त हुई हैं प्रताप सिम्हा ने लोकसभा स्पीकर को ये बात जरूर बताई है कि घुसपैठ करने वाले में से एक आरोपी का पिता उनके संसदीय क्षेत्र का है और उसने उनसे विजिटर्स पास मांगा था। प्रताप सिम्हा ने लोकसभा स्पीकर को बताया कि उनके पास घुसपैठियों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। मगर उनमें से एक मनोरंजन डी अपने और अपने दोस्त सागर के लिए विजिटर्स पास हासिल करने के लिए सिम्हा के पीए के साथ लगातार संपर्क में था।

प्रताप कट्टर हिंदुत्व के समर्थक

प्रताप सिम्हा (47) मैसूरु-कोडगु सीट से लोकसभा सांसद हैं। वह मैसूरु के एक लोकप्रिय बीजेपी नेता हैं और उन्होंने 2014 और 2019 दोनों ही बार पार्टी के टिकट पर चुनावी जीत हासिल की है। प्रताप सिम्हा पहले कन्नड़ प्रभा में पत्रकार के तौर पर काम करते थे, फिर उन्होंने राजनीति में उतरने का फैसला किया। वह कर्नाटक बीजेपी के युवा विंग के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। उन्होंने 2014 में पहली बार चुनाव लड़ा। 2015 में, प्रताप सिम्हा को प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया था। प्रताप सिम्हा की पहचान हिंदुत्व के कट्टर समर्थक के तौर पर होती है। वह कर्नाटक में टीपू सुल्तान का जन्मदिन मनाने के सरकार के फैसले के खिलाफ थे, क्योंकि उनका कहना था कि टीपू सुल्तान केवल इस्लामवादियों के लिए आदर्श हो सकते हैं, इस साल की शुरुआत में, प्रताप सिम्हा ने पशु प्रेमियों पर भी भड़ास निकालते हुए बयान दिया था।

संक्षिप्त खबरें

लोकसभा में घुसे शख्स को पकड़ने वाले सांसद की थरूर ने की तारीफ

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने पार्टी के सांसद गुरजीत सिंह औजला की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से औजला ने संसद के अंदर घुसे आरोपी को पकड़ा वह बताता है कि सिंह इज किंग हैं, बता दें कि कांग्रेस सांसद औजला ने लोकसभा में घुसे आरोपी को सबसे पहले पकड़ा था। शशि थरूर ने औजला की तारीफ में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट भी किया है, उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा कि सदन में घुसे आरोपी का सामना करने के लिए मैं उनकी तारीफ करता हूं, सिंह इज किंग! आप शानदार हैं औजला, आप बहुत बहादुर भी हैं।

सर्दी और प्रदूषण से दिल्ली-एनसीआर में बढ़ी टेंशन

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली और एनसीआर में सर्दी बढ़ गई है। इसके साथ ही प्रदूषण का स्तर भी आंख मिचौली का खेल खेल रहा है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक बुधवार को भी बहुत खराब श्रेणी में बनी रही। आज (वृहस्पतिवार) सुबह आईजीआई एयरपोर्ट पर 355, न्यू मोती बाग में 368 और पंजाबी बाग में 397 एक्यूआई दर्ज हुआ। बीते मंगलवार को दिल्ली में प्रदूषण सूचकांक 355 दर्ज किया गया था। जोकि सोमवार के मुकाबले 38 अंक अधिक है। आने वाले दिनों में भी प्रदूषण से राहत की उम्मीद नहीं है। दिल्ली में मुख्य सतही हवा दक्षिण-पूर्व/उत्तर दिशाओं से चार से आठ किमी प्रतिघंटे की गति से चली। हवाओं की गति काफी धीमी रहने के कारण वातावरण में मौजूद प्रदूषक कण फैल नहीं पाए। ठंड के कारण प्रदूषक तत्व निचले स्तर पर ही रहे, जिस कारण लोगों को खासी परेशानी हुई। हालांकि दिन में खिली हल्की धूप ने थोड़ी राहत दी, लेकिन शाम ढलते ही मौसम सर्द होने से परेशानी फिर बढ़ी।

ईडी ने उत्तराखंड में आईएफएस की संपत्ति कुर्क की

देहरादून। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कहा कि उसने उत्तराखंड में भारतीय वन सेवा (आईएफएस) अधिकारी के खिलाफ धनशोधन मामले की जांच के सिलसिले में उनकी 31 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क की है। एजेंसी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि आईएफएस अधिकारी किशन चंद और उनके परिवार के सदस्यों के स्वामित्व वाली हरिद्वार में स्थित स्कूल की इमारत और रुड़की जिले में स्थित 'स्टोन क्रशर' को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अस्थायी रूप से जब्त किया गया है। बयान में कहा गया है कि संपत्ति की कुल कीमत 31.88 करोड़ रुपये है। एजेंसी के अनुसार चंद संभागीय वन अधिकारी हैं। धनशोधन का मामला उत्तराखंड सरकार के सतर्कता विभाग द्वारा अधिकारी के खिलाफ दर्ज की गई प्राथमिकी से जुड़ा है।

सहारनपुर में ऑटो और पिकअप की भिड़ंत में दो की मौत

सहारनपुर। सहारनपुर पुलिस ने बताया कि नागल-टपरी मार्ग पर एक दुर्घटना हुई जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सागर जैन ने बताया कि भी घायलों को तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने ऑटो चालक नीटू (32) और मोहित (22) को मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले के नागल इलाके में बृहस्पतिवार सुबह एक ऑटो और पिकअप वैन की भिड़ंत हो गई, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई, जबकि छह लोग घायल हो गये। पुलिस ने यह जानकारी दी।

24 विधायकों पर गाज गिरा सकते हैं जगनमोहन रेड्डी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और वाईएसआरसीपी अध्यक्ष वाईएस जगन मोहन रेड्डी 2024 के चुनाव के लिए बड़े फैसले ले सकते हैं। राज्य में लोकसभा चुनाव के साथ ही विधानसभा के चुनाव होने हैं। बताया जा रहा है कि 24 वर्तमान विधायकों पर गाज गिर सकती है इनमें 22 एससी और दो एसटी विधायकों शामिल हैं।

हालांकि, कहीं यह आंकड़ा 40 का भी बताया जा रहा है। कुछ विधायकों के सीट भी बदले जा सकते हैं। लेकिन अधिकांश को चुनावी प्रक्रिया से बाहर रखा जाएगा, यह साफ होता दिखाई दे रहा है। ऐसा कहा जाता है कि मुख्यमंत्री ने, खासकर तेलंगाना चुनाव के नतीजों का विश्लेषण करने के बाद, कम प्रदर्शन वाले नेताओं को हटाने का मन बना लिया है। पिछले 18 महीनों में हुई समन्वय समिति की बैठकों में, उन्होंने नॉन-परफॉर्मिंग विधायकों और पार्टी नेताओं को अपने तरीके सुधारने या बाहर होने का जोखिम उठाने की चेतावनी दी थी। माना जा रहा है कि अब उन्होंने नामों पर फैसला कर लिया है। जो नाम बाहर आ रहे हैं उनमें राजम, पयाकराओपेट, अमलापुरम, रज़ोल, पी गन्नवरम, चिंथलापुडी, नंदीगामा, तिरुवुरु, प्रथीपाडु, ताड़ीकोंडा, वेमुरु, संथनुथलापाडु, येरागोंडापलेम, कोंडेपी, गुडूर, सुल्लुरुपेट, सत्यवेदु, गंगाधर और पुथलापट्टू शामिल हैं।

चुनाव आयोग को बॉम्बे हाई कोर्ट की फटकार

दिए निर्देश- पुणे लोकसभा क्षेत्र में तुरंत कराएं उपचुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने को भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) को पुणे लोकसभा क्षेत्र के लिए तुरंत उपचुनाव कराने का निर्देश दिया, जो 29 मार्च को सांसद गिरीश बापट की मृत्यु के बाद खाली हो गया था। जस्टिस गौतम एस पटेल की अगुवाई वाली हाई कोर्ट की बेंच ने, निर्वाचन क्षेत्र में उपचुनाव न कराने के लिए ईसीआई द्वारा जारी प्रमाण पत्र को रद्द कर दिया।

उच्च न्यायालय ने कहा कि ईसीआई ने एक विचित्र कारण दिया था कि उसकी पूरी मशीनरी बहुत व्यस्त थी और पुणे उपचुनाव से परेशान होने के लिए मार्च 2023 से 2024 में लोकसभा चुनाव की तैयारी में व्यस्त थी। पीठ ने कहा कि ईसीआई कर्मचारियों के व्यवसाय के परिणामस्वरूप नागरिकों को प्रतिनिधित्व से वंचित नहीं किया जा सकता है और यह अकल्पनीय है और यह पूरे संवैधानिक ढांचे को नुकसान पहुंचाने जैसा होगा, जिस पर हमें विश्वास है कि यह वही है जो ईसीआई भी नहीं चाहता था। किसी भी संसदीय लोकतंत्र में शासन निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा किया जाता है जो लोगों की आवाज़ होते हैं। यदि कोई प्रतिनिधि अब नहीं रहा तो उसके स्थान पर दूसरे को रखा जाना चाहिए। लोग बिना प्रतिनिधित्व के नहीं रह सकते।

यह पूरी तरह से असंवैधानिक है और संवैधानिक ढांचे के लिए मौलिक अभिशाप है। जोशी ने दावा किया कि पिछले कुछ महीनों में संसद में घटकों के पास कोई आवाज नहीं थी। उच्च न्यायालय ने 7 दिसंबर को कहा कि वह प्रथम दृष्टया ईसीआई द्वारा दिए गए तर्क से सहमत नहीं है कि यदि उपचुनाव होते हैं, तो निर्वाचित उम्मीदवार के पास सांसद के रूप में मुश्किल से तीन-चार महीने का काम होगा और इससे तैयारी गतिविधियों पर भी असर पड़ेगा।

'क्या मेरी आवाज पर भरोसा नहीं'

रजिस्ट्री कर्मचारियों के सांस्कृतिक कार्यक्रम में बोले सीजेआई चंद्रचूड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने रजिस्ट्री में काम करने वाले सभी कर्मचारियों के बीच सौहार्द्र पैदा करने के मकसद से इस हफ्ते एक खेल और सांस्कृतिक बैठक का आयोजन किया। देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ से जब पूछा गया कि क्या वह इन कार्यक्रमों में हिस्सा लेना चाहते हैं, तो इस पर उन्होंने कहा कि एक गाना गाना चाहते थे लेकिन उन्हें अंत्याक्षरी के लिए नामांकन करने की परमिशन नहीं दी गई, जिसके बाद उन्होंने कहा, कि क्या आपको मेरी आवाज पर भरोसा नहीं है, लेकिन आपको मेरे फुटबॉल खेलने पर भरोसा है।

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, कि यह खुशी की बात है कि रजिस्ट्री कर्मचारियों के परिवार भी इस वार्षिक कार्यक्रम में भाग लेते हैं, सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री 2,500 कर्मचारियों का परिवार है जब उनके परिवार भी इन कार्यकर्मों में हिस्सा लेते हैं तो यह एक बड़ा परिवार बन जाता है।

कर्मचारियों की सैलरी बढ़ाने का ऐलान

कार्यक्रम के दौरान मुख्य न्यायाधीश के एक ऐलान ने वहां मौजूद लोगों के चेहरों पर बड़ी खुशी ला दी। दरअसल सीजेआई ने रजिस्ट्री कर्मचारियों की सैलरी बढ़ाने का अचानक से ऐलान कर दिया। डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि यह कदम आमतौर पर तब उठाया जाता है जब कोई मुख्य न्यायाधीश सेवानिवृत्त होता है, लेकिन वह कर्मचारियों को प्रोत्साहित करना चाहते थे। उन्होंने म्यूजिकल चेयर कार्यक्रम की भी जमकर तारीफ की, जिसमें उन्होंने कहा कि रजिस्ट्री अच्छी है क्योंकि वे हर दिन जजों के साथ खेल खेलते हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।